सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 87 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 09 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों पर होगी अब सख्त कार्रवाई, डिप्टी सीएम शर्मा का निर्देश

बैठक में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा- एनडीपीएस एक्ट के तहत जारी एसओपी का अधिकारी करें सख्ती से पालन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बुधवार को महानदी भवन, मंत्रालय में हुई गृह विभाग की समीक्षा बैठक उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस संबंध में अफसरों को सख्त निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुवा, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। दिनभर चली इस मैराथन बैठक में उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पुलिस विभाग के विभिन्न शाखाओं के कार्यों पर गहन चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने एनडीपीएस एक्ट के तहत जारी एसओपी के पालन को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और दोषी पाए जाने पर उनकी संपत्ति को तत्काल कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई पुलिस अधिकारी या कर्मचारी इस अवैध कारोबार में लिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ तुरंत बर्खास्तगी सहित कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नवीन स्थानांतरण नीति को तत्काल लागू करें

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पुलिस विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए नवीन स्थानांतरण नीति को तत्काल लागू करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानांतरण प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया जाए, जिससे विभागीय कार्यक्षमता में सुधार हो सके। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने शहीद जवानों के परिवारों को प्राथमिकता देते हुए अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों को तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि शहीद हुए जवानों के अमर बलिदानी स्मारक का निर्माण उनकी परिवार की सहमति से प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि उनकी शहादत का सम्मान हर स्तर पर सुनिश्चित हो।

बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि विभाग की सक्रियता से प्रदेश में कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा। बैठक में उपमुख्यमंत्री शर्मा ने यातायात प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ब्लैक स्पॉट्स के चिन्हांकन और उनके समाधान की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने और नई तकनीकों के उपयोग पर बल दिया गया। उपमुख्यमंत्री ने स्कूलों में यातायात जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए।

चिटफंड कंपनियों की संपत्तियों को जल्द करें नीलाम

चिटफंड कंपनियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाइयों की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी कंपनियों की शेष संपत्तियों की जल्द नीलामी की जाए और उससे प्राप्त राशि को प्रभावित निवेशकों के बीच शीघ्रता से वितरित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिटफंड घोटालों से प्रभावित प्रत्येक हितग्राही को न्याय सुनिश्चित किया जाए। तकनीकी और संरचनात्मक सुधारों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। बैठक में 17 जिलों में डायल 112 सेवा के विस्तार, राज्य स्तरीय साइबर थाने की कार्यप्रणाली और साइबर अपराधों पर नियंत्रण को लेकर हुई प्रगति की समीक्षा की गई। मादक पदार्थों की तस्करी पर रोकथाम के लिए एनडीपीएस एक्ट के तहत किए गए अभियानों का आकलन किया गया। साथ ही पुलिस थानों के परिसीमन और नए थानों की स्थापना के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई।

पुलिस कर्मियों के कल्याण पर जोर

उपमुख्यमंत्री ने पुलिस कर्मचारियों के कल्याण पर जोर देते हुए पुलिस पब्लिक स्कूलों की स्थापना, पुलिस आवास योजना और केपीकेबी कैंटीन की स्थिति की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग के कार्यों को डिजिटाइजेशन के माध्यम से और अधिक पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रक्रियाओं और डाटा मैनेजमेंट को आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जा रही नई तकनीकों का अध्ययन करें और राज्य में लागू करने की योजना तैयार करें। बैठक के अंत में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पुलिस विभाग का प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने और विभागीय योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए।

खास-खबर

निगम स्वास्थ्य विभाग ने देशी मदिरा दुकान पर 20 हजार का किया जुर्माना

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग को राजधानी शहर रायपुर के राज टॉकीज के पीछे के क्षेत्र से यह जनशिकायत मिली कि सफई के बाद देशी मदिरा दुकान के कर्मचारीगण द्वारा कचरा, डिस्पोजल इत्यादि इकट्ठा कर आग लगा दी जाती है।

इसे तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा द्वारा दिए गए निर्देश पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही द्वारा निगम जोन 4 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर एवं मुख्यालय स्वास्थ विभाग के स्वच्छता निरीक्षक तिवारी को निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान प्राप्त जनशिकायत सही मिली। इस पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर सम्बंधित देशी मदिरा दुकान के संचालक को नोटिस देकर अपशिष्ट को संग्रहण पत्रों में रखने की विफलता इत्यादि के चलते नगर निगम जोन 4 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 20000 रुपए का जुर्माना भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए किया।

गौकशी मामले में मोमिन पारा के 5 लोग हुए गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में बुधवार देर रात एक बड़े गौकशी के मामले का खुलासा हुआ है। मोमिन पारा के गौ मांस काटने का काम चल रहा था। गौ सेवकों की टीम को जब इसकी जानकारी मिली तो पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मौके पर दबिश दी। मौके से रात में गौकशी में प्रयुक्त सामाग्रियों को जब्त कर एक संदेही को हिरासत में लिया था। वहीं सुबह पुलिस ने दो पुरुष और दो महिला आरोपी को भी हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि ये वहीं लोग हैं, जो रात को कार्रवाई के दौरान फरार हो गए थे। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार मोमिन पारा के एक घर के तीन कमरों में गौकशी का काम हो रहा था। गौसेवकों को इसकी जानकारी लगातार मिल रही थी। इसके बाद संदिग्ध घरों की रेकी की गई। गौसेवकों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को मौके से एक खुर्शीद अली नामक शख्स की आईडी भी मिली है। घर से दो-तीन डायरिया भी मिली हैं, जिसमें खरीदने बेचने वालों के नाम, वजन और रेट लिखा हुआ है। कमरों में ढाई से 3 फिट लम्बे चौड़े गौ मांस के टुकड़े बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही तराजू, मांस काटने का सामान, लकड़ी के बड़े-बड़े टुकड़े, खून के धब्बों के साथ ऑटो और रस्सियां मिली हैं।

एसिड से छात्र घायल, प्रैक्टिकल के दौरान साथी छात्र से हुई गलती

बिलासपुर। बिलासपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक प्रैक्टिकल के दौरान स्कूली छात्र पर एसिड गिर गया, जिसमें छात्र का पीठ बुरी तरह झुलस गया। फिलहाल, छात्र को अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं, इस मामले में एक छात्र को स्कूल से 20 जनवरी तक निष्कासित भी किया गया है। यह पूरा मामला तखतपुर के स्वामी आत्मानंद स्कूल का बताया जा रहा है। बता दें कि, घायल छात्र 11 वीं कक्षा में पढ़ता है। सूत्रों के मुताबिक, प्रैक्टिकल करने के दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर नोकझोंक हुई और गुस्से में आकर एक छात्र ने गुस्से में आकर एसिड अपने साथी की पीठ पर फेंक दिया, जिससे उसकी पीठ गंभीर रूप से झुलस गई। इसके बाद घायल छात्र को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

शॉप से दस उंगलियों में अंगूठी पहनकर भागा चोर

■ **दुर्ग के बालाजी ज्वेलर्स में चोरी, जांच में जुटी पुलिस**

दुर्ग। दुर्ग सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक ज्वेलरी की दुकान से चोर अंगूठियां लेकर फरार हो गए। बुधवार को दिनदहाड़े बाइक सवार युवक ज्वेलरी दुकान में ग्राहक बनकर पहुंचा और सोने की अंगूठी दिखाने के लिए कहा। ज्वेलरी शॉप में काम करने वाली लड़की ने ग्राहक को सोने की अंगूठी दिखाई और इस दौरान आरोपी ने अपनी दसों उंगलियों में अंगूठी पहनी और फरार हो गया। आरोपी ने ज्वेलरी शॉप से लगभग 5 लाख कीमत की अंगूठी लेकर बाइक से फरार हो गए। पूरा मामला दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र के गया नगर के बालाजी ज्वेलरी शॉप का है।

गया नगर के बालाजी ज्वेलर्स में बुधवार दिनदहाड़े दो युवक पहुंचे। इस दौरान दुकान के मालिक सेक्टर 9 अस्पताल गए हुए थे। दुकान में पिछले डेढ़ वर्षो से कार्य कर रही डिंपल दुकान में अकेली थी। इसी दौरान दो युवक दुकान में आए। एक बाहर बाइक लेकर खड़ा था। वही दूसरा दुकान के भीतर पहुंचा। आरोपी ने सोने की अंगूठी दिखाने के लिए कहा। जब डिंपल उसे सोने की अंगूठी दिखा रही थी तब वह युवक अपनी उंगलियों में अंगूठी पहनकर देखने लगा। इसी दौरान अपनी दसों उंगलियों में अंगूठी को पहना और तेजी से बाहर निकला। इसके बाद दोनों बाइक से फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने जांच प्रारंभ कर दी है। बताया जाता है कि सीसीटीवी फुटेज में एक आरोपी लाल रंग का हूडी पहना हुआ है और एक काले रंग का बैग लटका रखा है। वहीं, जो आरोपी युवक दुकान में घुसा हुआ था वह स्लेटी रंग की शर्ट, मटमैला रंग का फुल पैंट पहनी हुई है। अंगूठियों की कीमत लगभग 5 लाख रुपए बताई जा रही है ज्वेलरी शॉप के मालिक की सूचना पर गया नगर और आस-पास की नाकेबंदी की गई है।

भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है', 18 वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने दिया मंत्र

■ **प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में शामिल हुए पीएम**

भुवनेश्वर ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। यहां पीएम मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।

18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा पीएम मोदी ने कहा कि यह जीवंत त्योहारों का समय है। कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ शुरू हो रहा है। मकर संक्रांति, बिहू, पोंगल, लोहड़ी जैसे त्योहार आने वाले हैं। हर जगह आनंदमय वातावरण है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज आप ओडिशा की जिस महान धरती पर जुटे हैं वो भी भारत की समृद्ध विरासत का प्रतिबिंब है। ओडिशा में कदम कदम पर हमारी विरासत के दर्शन होते हैं। सैकड़ों वर्ष पहले भी ओडिशा से हमारी व्यापारी कारोबारी लंबा सफर करके बाली, सुमात्रा, जावा जैसे स्थानों तक जाते थे...ओडिशा में आज भी बाली यात्रा का आयोजन होता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जब तलवार के जोर पर साम्राज्य बढ़ाने का दौर था, तब हमारे सम्राट अशोक ने यहां शांति का रास्ता चुना था। हमारी इस विरासत का ये वही बल है जिसकी प्रेरणा से आज भारत दुनिया को कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं है, बुद्ध में है।

तिरुपति मंदिर में मची भगदड़ में 6 की मौत, 50 घायल, टोकन लेने लगी थी हजारों की भीड़

तिरुपति ए.। तिरुपति के तिरुमला-तिरुपति देवस्थानम में बुधवार रात को टोकन लेने खड़ी भीड़ अचानक बेकाबू हो गई और भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई। यह घटना उस वक्त हुई जब वैकुंठ द्वार दर्शन के टोकन के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु लाइन में लगे थे। हादसे में इस घटना में 50 लोग घायल भी हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए तिरुपति रुया अस्पताल ले जाया गया है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की ओर से यह जानकारी दी गई है।

बताया जा रहा है कि वैकुंठ एकादशी के पर्व पर श्रद्धालुओं को दर्शन टोकन वितरण करने के लिए तिरुपति में कुछ आठ काउंटर खोले गए थे। जनवरी में 10, 12 और 13 तरीख को बैकुंठ द्वार से दर्शनप होने है। मंदिर प्रशासन द्वारा कहा गया था कि गुरुवार की सुबह पांच बजे से टोकन जारी किया जाएगा। लेकिन टोकन पाने के लिए बुधवार शाम छह बजे से ही श्रद्धालु कतार में खड़े हो गए। इस बीच अप्रत्याशित भीड़ के कारण भारी भगदड़ मच गई, जिसमें छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई।

मृतकों में सेलम के मल्लिगा (50) के साथ 5 महिलाओं की पहचान की गई। घायलों को एंबुलेंस से तिरुपति के अस्पतालों में ले जाया गया। रुया हॉस्पिटल में 20 और श्री वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (स्विम्स) में 9 लोगों का इलाज चल रहा है। जिलाधीश वेंकटेश्वर राव और तिरुमला तिरुपति मंदिर के कार्यकारी अधिकारी श्यामला राव रुया अस्पताल पहुंचे हैं और चिकित्सा सेवाओं की निगरानी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गहरा दुःख व्यक्त किया

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने तिरुमाला श्रीवारी वैकुंठ द्वार में दर्शन टोकन के लिए तिरुपति में विष्णु निवासम के पास हुई भगदड़ में 6 श्रद्धालुओं की मौत पर गहरा दुख जाहिर किया है। मुख्यमंत्री ने घायलों को दिए जा रहे इलाज के बारे में अधिकारियों से फोन पर बात भी की। उन्होंने उच्च अधिकारियों को घटना स्थल पर जाकर राहत उपाय करने का आदेश दिया है ताकि घायलों को बेहतर उपचार मिल सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भगदड़ से दुखी

घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं ने दुख जताया है। तिरुपति मंदिर में भगदड़ की घटना पर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा है, 'आंध्र प्रदेश के तिरुपति में हुई भगदड़ से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द ही ठीक हो जाएं। वहीं अमित शाह ने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर ट्वीट कर लिखा, 'तिरुपति मंदिर में भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से दुखी हूं। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। वहीं इस घटना को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में भगदड़ की घटना बेहद दुखद है।

आखिर मालिश के पीछे क्यों पड़ी सरकार

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ - दीपक रंजन दास

देश में कई तरह के मामलों पर लंबे समय से बहस जारी है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद समलैंगिक संबंधों पर लगा अवैधानिक का टैग हट गया। अब इस पर बहस हो रही है कि समलैंगिकों को विवाह करना का अधिकार है या नहीं। वैसे उन्हें विवाह करना ही क्यों है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। समलैंगिक जोड़े आपस में बच्चे पैदा नहीं कर सकते। प्राकृतिक तौर पर यह संभव नहीं है। यदि विवाह को मान्यता मिल गई तो वे बच्चे गोद लेना चाहेंगे। इसके साथ ही शुरू हो जाएगी विरासत को लेकर बहस। भारत में सामान्य नि:संतान दंपतियों के लिए भी विधि सम्मत तरीके से बच्चा गोद लेना आसान नहीं है। सवाल यह भी है कि समलैंगिक जोड़ों का राशन कार्ड कैसे बनेगा? फिलहाल देश में राशन कार्ड पत्नी के नाम पर बनाने का कानून है। समलैंगिक जोड़ों में यह कैसे तय होगा कि पत्नी कौन है? बहुत सारे सवाल हैं। अदालतों में केस के अंबार लगे हैं। बावजूद उन्हें इन मामलों के लिए समय निकालना पड़ रहा है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया है कि न्यायपालिका केवल कानूनों का पालन सुनिश्चित करा सकती हैं, कानून बनाना संसद और विधानसभा का काम है। इस गूढ़ विषय से परे एक और मामला इन दिनों सुर्खियों में है। यह मामला है मालिश करवाने का। राजा, जमींदार, ठाकुर क्लास के लोगों की मालिश उनके घर पर ही हो जाती थी। मालिश केवल शौक नहीं है। कभी-कभी मालिश करवाना थेरेपी का हिस्सा बन जाता है। भारत में पति और बुजुर्गों के पांव दवाने और उनकी मालिश करने की परम्परा रही है। जचकी के बाद प्रसूता की भी मालिश हुआ करती थी। नए दौर में मालिश के कई रूप हो गये हैं। इन्हीं में से एक है 'स्पा'। स्पा सेन्टर्स में भी लोग थकान मिटाने के लिए जाते हैं। लोग वहां बंद कमरे में किस तरह से अपनी थकान मिटा रहे हैं, यह किसी और की चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। आरोप है कि इन सेंटर्स में डीप मसाज के नाम पर गंदा काम हो रहा है। इसलिए अब पुलिस इनके पीछे पड़ी है। यदि मालिश करने वाला और मालिश करवाने वाला दोनों बालिग हैं और वे सार्वजनिक रूप से अश्लील हरकतें नहीं कर रहे हैं तो पुलिस के पास करने को ज्यादा कुछ नहीं है। इस मामले में गुजरात पुलिस की सीआईडी ने कुछ प्रस्ताव रखे हैं जो न केवल दिलचस्प हैं बल्कि निजता के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। इसमें 15 किस्म के उपाय प्रस्तावित हैं। इनमें सेंटर संचालक और कर्मचारियों का पूरा डीटेल गृह विभाग के पोर्टल पर अपलोड करना, स्पा सेंटर में यौन गतिविधियों को अवैध माना जाना, केबिन में चटखनी रहित दरवाजे लगाना, केबिन की दीवारों और दरवाजों पर शीशा लगवाना ताकि बाहर से भीतर देखा जा सके, सीसीटीवी कैमरे लगाना जैसे प्रस्ताव शामिल हैं। मालिश करवाना है तो आंगन में चटाई बिछा लो।

संपादकीय

हर बार हाहाकारी नहीं होता गिरता रुपया

रुपया डॉलर के मुकाबले गिरावट के नए-नए रिकॉर्ड बना रहा है। एक डॉलर की कीमत बीते हफ्ते 85 रुपये के पार चली गई। समझदार लोग कहेंगे कि रुपया गिर नहीं रहा है, बल्कि डॉलर मजबूत हो रहा है।

रुपया डॉलर के मुकाबले गिरावट के नए-नए रिकॉर्ड बना रहा है। एक डॉलर की कीमत बीते हफ्ते 85 रुपये के पार चली गई। समझदार लोग कहेंगे कि रुपया गिर नहीं रहा है, बल्कि डॉलर मजबूत हो रहा है। मगर छुरी खरबूजे पर गिरे या खरबूजा छुरी पर, कटना तो खरबूजे को ही है। डॉलर का मजबूत होना अरसे से हमारे देश में फिक्र का कारण रहा है। इसे लेकर तरह-तरह की किंवदंतियां भी चलती हैं। जैसे, आजादी के समय एक रुपया एक डॉलर के बराबर था। यह बात कतई सही नहीं है, क्योंकि आजादी के वक्त तो भारत का खजाना ब्रितानी व्यवस्था का हिस्सा था और भारतीय रुपये का अंतरराष्ट्रीय लेन-देन ब्रिटिश मुद्रा पाउंड के दाम से जुड़ा हुआ था। तब रुपये का भाव रोज-रोज बदलता भी नहीं था। फॉर्मूला तय था कि एक ब्रिटिश पाउंड की कीमत 13.333 रुपये होगी। उस वक्त बाजार में एक पाउंड करीब चार डॉलर का था, इस गणित से एक डॉलर की कीमत करीब 3.333 रुपये होती है।

> *यहां यह जानना भी जरूरी है कि तब का भारतीय रुपया भी अलग था। उस वक्त रुपया आना, पाई वाली व्यवस्था चलती थी और एक रुपये में 64 पैसे होते थे। चार पैसे का एक आना और रुपया होता था सोलह आने का। आजादी के बाद भी यह आना सीरीज चलती रही, जहां एक रुपये में सोलह आने, 64 पैसे और 192 पाई होती थीं। चवन्नी और अठन्नी के नाम भी वहीं से आए थे। मगर 1957 में भारत ने मीट्रिक प्रणाली अपनाई और रुपये में सौ पैसे होने लगे। इसके साथ ही एक, दो, तीन, पांच, दस, पच्चीस और पचास नए पैसे के सिक्के जारी किए गए। बीस पैसे का सिक्का बाद में आया था, फिर रुपये और उसके ऊपर के सिक्के भी। काफी समय तक बाजार में पैसे और नए पैसे साथ-साथ चलते रहे। फिर 1968 में नए पैसे को औपचारिक तौर पर पैसे कहा जाने लगा और पुराना पैसा चलन से बाहर हो गया।*

इतना किस्सा इसलिए, क्योंकि यह समझना जरूरी है कि मुगलों के दौर के या उसके पहले के चांदी-सोने वाले रुपये या फिर आजादी के वक्त के रुपये की दुनिया के बाजार में जो भी कीमत थी, उसके साथ आज के रुपये के तुलना करना शायद ज्यादती होगी। और, यह भी समझना चाहिए कि किसी दूसरी मुद्रा के मुकाबले रुपये का कमजोर होना हमेशा नुकसानदेह नहीं होता।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार के हिसाब से कई बार अपनी मुद्रा का सस्ता होना बेहद फायदेमंद साबित होता है, क्योंकि इससे हमारा निर्यात खरीदारों की नजर में सस्ता हो जाता है। जैसे, भारत से सौ रुपये की चीज अगर अमेरिका जा रही है और डॉलर की कीमत पचास रुपये हो, तो खरीदार को दो डॉलर देने पड़ेंगे, लेकिन अगर आज डॉलर 85 रुपये के ऊपर है, तो खर्चा सवा डॉलर से भी कम हो गया। चीन ने अपना माल दुनिया भर के बाजार में भरने के लिए यही नुस्खा सफलतापूर्वक आजमाकर दिखाया है। कई दशकों से उस पर यह इल्जाम लगता रहा है कि वह अपनी मुद्रा को जान-बूझकर कमजोर रख रहा है, ताकि निर्यात के मोर्चे पर वह दूसरों को मात देता रहे। आजादी के बाद लंबे समय तक भारत में विदेशी मुद्रा का भाव या विनिमय दर (जिस दर पर कोई विदेशी मुद्रा खरीदी या बेची जाएगी) सरकार ही तय करती थी। पुराने आंकड़ों पर नजर डालें, तो पता चलता है कि 1950 से 1965 तक एक डॉलर की कीमत 4.76 रुपये पर स्थिर रही और उसके बाद 1967 से 1971 तक 7.57 रुपये पर। यह फर्क भी इसलिए आया कि 1962 व 1965 के युद्ध और 1966 के अकाल की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत खराब असर पड़ा था और 1966 में केंद्र सरकार को रुपये का अवमूल्यन करना पड़ा था।

सत्तर के दशक में पाकिस्तान से युद्ध व कच्चे तेल का संकट एक बार फिर मुसीबत बना और इसका दबाव रुपये की कीमत पर पड़ा। फिर भी डॉलर की कीमत सरकार ही तय करती थी और 1990 तक यह धीरे-धीरे बढ़कर 17.50 रुपये तक पहुंच गया। फिर आया 1991 यानी आर्थिक सुधारों का साल। यहीं सरकार ने डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में कटौती या अवमूल्यन का एलान किया। जुलाई में ही दो किस्तों में रुपये की कीमत घटाई गई। 1 जुलाई को नौ प्रतिशत और दो ही दिन बाद 3 जुलाई को 11 फीसदी की कटौती हुई। डॉलर झटके से महंगा हो गया। भारत से निर्यात तो सस्ता हुआ, लेकिन आयात महंगा। मगर साथ ही भारत में निवेश करना अब डॉलर लगानेवालों के लिए आकर्षक हो गया। एक रोचक किस्सा है। उस वक्त वित्त मंत्री थे डॉक्टर मनमोहन सिंह, जो उससे पहले तीन साल जिनेवा में साउथ कमीशन नाम के पॉलिसी थिंक टैंक में काम कर चुके थे। मनमोहन सिंह के विदेशी बैंक खाते में कुछ रकम जमा थी। तब प्रधानमंत्री नरसिंहराव के एक निकट सहयोगी ने बताया कि यह फैसला होने के बाद मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री कार्यालय गए और अवमूल्यन के कारण उनके बैंक खाते में जमा डॉलरों की कीमत में जो इजाफा हुआ, उस रकम का चेक काटकर उन्होंने प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा कर दिया। मनमोहन सिंह ने अपने हिस्से का मुनाफा तो राष्ट्र को दान कर दिया, लेकिन वहां से डॉलर की कीमत बढ़ने का सिलसिला भी तेज हुआ और देश की तरक्की की रफ्तार भी।

मुद्रा की मजबूती जरूरी है। आप ब्रिटेन या अमेरिका जैसे देशों में जाएं, तो वहां 100 डॉलर या 50 पाउंड से ज्यादा का नोट नहीं मिलता। दूसरी तरफ, ऐसे अनेक देश हैं, जहां का एक नोट लाखों का होता है। जब अर्थव्यवस्था इतनी मजबूत हो जाए, देश के लोग इतने समृद्ध हो जाएं कि उन पर बाकी दुनिया से लेन-देन का कोई असर न पड़ता हो, तब तो ठीक है। वरना देश की मुद्रा का कमजोर रहना किसी कमजोरी की नहीं, दूरंदेशी की निशानी भी हो सकता है।

पुराने लोग याद भी करेंगे। एक वक्त था जब एक-एक डॉलर दांत से पकड़कर खर्च होता था। घूमना-फिरना तो छोड़ दें। पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति पाकर या फिर व्यापार के दौरे या विदेश में नौकरी करने के लिए जानेवालों को भी कुल मिलाकर 125 डॉलर की रकम मिलती थी, जिसमें उन्हें गुजारा करना होता था। आज आप जहां चाहें, अपना घरेलू क्रेडिट कार्ड स्वाइप करके खर्च कर सकते हैं। यह कम हासिल नहीं है। हां, सफर बहुत बाकी है और रफ्तार बढ़ाने की जरूरत भी है।

नजरिया

खिलाड़ियों को बढ़ावा दे रहीं सरकारें

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा की है, जिसके बाद यह बहस फिर से शुरू हो गई है कि अपने देश में खिलाड़ियों को उचित सम्मान नहीं मिलता। यहां तक कि मनु भाकर का उदाहरण देकर बताया जा रहा है कि किस तरह खिलाड़ियों को प्रताड़ित किया जाता है। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा की है, जिसके बाद यह बहस फिर से शुरू हो गई है कि अपने देश में खिलाड़ियों को उचित सम्मान नहीं मिलता।

यहां तक कि मनु भाकर का उदाहरण देकर बताया जा रहा है कि किस तरह खिलाड़ियों को प्रताड़ित किया जाता है, जबकि सच्चाई यही है कि मनु ने फॉर्म भरते हुए गलती की थी, जो वह बार-बार बताती रहीं। फिर भी, न जाने क्यों आलोचकों को सिवाय आलोचना के कुछ सूझता नहीं। वे तो यही हल्ला कर रहे थे कि मनु का नाम जान-बूझकर लिस्ट में नहीं डाला गया, जबकि ऐसा कुछ नहीं था।

वास्तव में, अपने देश की यही विडंबना है। यहां जितना भी कर लो, कुछ लोग ऐसे मिल ही जाएंगे, जो प्रशंसा करने के बजाय आलोचना में विश्वास करते हैं। खिलाड़ियों को उचित सम्मान न मिलने की बहस भी कुछ ऐसी ही है। यह मानसिक रूप से दिवालिये हो चुके कुछ लोगों की कारस्तानी है। वे जान-बूझकर विवाद खड़ा करना चाहते हैं, ताकि उनको सुर्खियां मिल सके, लेकिन ऐसा करने वाले भूल जाते हैं कि जनता सब कुछ जानती है। वह समझती है कि हमारी सरकारें अब खिलाड़ियों को लेकर कितनी गंभीर हो गई हैं और खेलों को कितना प्रोत्साहित करती हैं। यकीन न हो, तो गांवों तक में घूम लीजिए। आपको हर गांव में ऐसे बच्चे मिल जाएंगे, जो किसी न किसी खेल में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। उन्हें प्रशासन की ओर से स्थानीय स्तर पर सुविधाएं भी मिल रही हैं, जिनसे वे अपने खेल कौशल को निखार रहे हैं। खेलो इंडिया योजना ने ही क्या कमाल का काम किया है। अब तो गांव-गांव से नए खिलाड़ी निकलकर सामने आ रहे हैं। वे न सिर्फ खेलों में अपना परचम लहरा रहे हैं, बल्कि भारत का नाम भी रोशन कर रहे हैं। इसी साल खेल पुरस्कारों में कई ऐसे खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया है, जिनकी आर्थिक पृष्ठभूमि बहुत अच्छी नहीं कही जाएगी।

बहरहाल, केंद्र सरकार की योजनाओं को छोड़ भी दें, तो तमाम राज्यों में कई तरह की ऐसी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनसे खेलों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिल रहा है। मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन जैसी योजनाओं से खिलाड़ियों को आर्थिक मदद भी मिल रही है। चूंकि अब सभी खेलों पर ध्यान दिया जा रहा है, इसलिए अलग-अलग विधा के खेलों में नए-नए बच्चे सामने आ रहे हैं। हां, कुछ खेलों में रास्ता अभी लंबा है, लेकिन उम्मीद कायम है कि जल्द ही हम उनमें भी पदक जीतने लगेंगे। हमारे खिलाड़ी इसके लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

उपेक्षा के कारण प्राथमिकता में नहीं खेल

सरकार ने देश के विभिन्न खेलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर बहुत ही अच्छा काम किया है। पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में मनु भाकर, डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न और अन्य 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिए जाने का एलान किया गया है। जब भी कोई इंसान किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करे, तो उसकी हौसला अफजाई जरूर की जानी चाहिए। खिलाड़ियों का प्रोत्साहन जरूरी है, क्योंकि इससे अन्य युवाओं की भी रुचि खेलों में बढ़ती है। ओलंपिक और अन्य खेलों में हमारे देश के खिलाड़ी मेहनत करके मेडल जीतते हैं, लेकिन कई बार उनकी आर्थिक स्थिति बदहाल हो जाती है, क्योंकि सरकारों की तरफ से उनका ख्याल नहीं रखा जाता। इसलिए जरूरी है कि केंद्र व राज्य की सरकारें मिलकर सभी खेलों के खिलाड़ियों की तरफ ध्यान दें और देश के विभिन्न स्थानों से ऐसे खिलाड़ियों को चुनने का अभियान चलाएं, जो विभिन्न खेलों में रुचि रखते हैं। तभी हम ओलंपिक जैसे आयोजनों में अपने देश का नाम अधिक से अधिक रोशन कर सकेंगे।

देखा जाए, तो देश में न प्रतिभाओं का अभाव है, न दक्षता की कमी है, कमी है तो बस सरकारी तंत्र की सक्रियता की। हमारा तंत्र इतना सुस्त है कि कई खिलाड़ी उचित मंच के अभाव में बदहाली का जीवन जीने को मजबूर होते हैं। ऐसे में, सरकारों का जगना तो जरूरी है ही, खेलों पर काम कर रही गैर-सरकारी संस्थाओं का गंभीर होना भी आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि संस्थाएं बिल्कुल काम नहीं कर रहीं। कुछ इस दिशा में सक्रिय हैं, लेकिन वे पैसे बहुत लेती हैं, जिस कारण गरीब घरों के बच्चों को आगे बढ़ने का बहुत मौका नहीं मिल पाता है।

खेल-संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकारों को प्राइमरी स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक के विद्यार्थियों का खेलों में भाग लेना अनिवार्य कर देना चाहिए और खेलों को पाठ्यक्रम में भी शामिल करना चाहिए। सरकारों की एक आदत बन चुकी है कि जब कोई खिलाड़ी ओलंपिक या अन्य किसी बड़े मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो वे उस पर इनामों की बौछार कर देती हैं, लेकिन बाकी खिलाड़ियों को बिसरा देती हैं। अगर सरकारें सभी खेलों के प्रति समान रूप से गंभीर बने और खिलाड़ियों को समान मौका उपलब्ध कराए, तो हमारा देश हर खेल में नंबर वन बन सकता है। क्या इसे विडंबना नहीं कहेंगे कि राष्ट्रीय खेल हॉकी होने के बावजूद इस खेल के खिलाड़ियों को लोग नहीं जानते, जबकि क्रिकेटरों पर न्योछावर होते रहते हैं?

काश! अपने बुजुर्गों को हम काम लायक समझा पाते

भारत में चिकित्सकीय सुविधाओं के विस्तार के कारण औसत आयु में लगातार वृद्धि हो रही है। इस समय देश में बुजुर्गों की आबादी दस करोड़ से ज्यादा है। इनमें से 40 प्रतिशत बुजुर्ग गरीबी में जीते हैं। 18.5 प्रतिशत से अधिक के पास कोई नियमित आय नहीं है। भारत में चिकित्सकीय सुविधाओं के विस्तार के कारण औसत आयु में लगातार वृद्धि हो रही है। इस समय देश में बुजुर्गों की आबादी दस करोड़ से ज्यादा है। इनमें से 40 प्रतिशत बुजुर्ग गरीबी में जीते हैं। 18.5 प्रतिशत से अधिक के पास कोई नियमित आय नहीं है। ऐसे बुजुर्गों की स्थिति कैसी होती होगी, यह आसानी से समझा जा सकता है। पश्चिमी देशों में इसीलिए रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाई जा रही है, जिससे बुजुर्ग भी देश की तरक्की और उसकी आर्थिकी को बढ़ाने का काम कर सकें। अमेरिका में यह 67 साल है, तो कई देशों में 65 वर्ष। जर्मनी में भी 67 वर्ष है। अपने यहां शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वालों की भी सेवानिवृत्ति की उम्र निर्धारित है, जबकि अमेरिका में शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले लोग शायद ही कभी रिटायर होते हैं। अमर्त्य सेन इसका बड़ा उदाहरण हैं।

भारत में रिटायरमेंट की वही पारंपरिक उम्र चली आ रही है- 60 या 58 वर्ष। तर्क यह दिया जाता है कि अगर पुराने लोग रिटायर नहीं होंगे, तो नए लोगों को काम कैसे मिलेगा? सोचिए, अपने देश में दस करोड़ से अधिक की आबादी को हाथ पर हाथ रखकर रहकर बस मृत्यु का इंतजार करना है। इनमें से बहुत कम बुजुर्गों के पास पेंशन की सुविधा है, जिससे वे अपना भरण-पोषण कर सकें। अधिकांश वृद्ध अपने बच्चों और परिवार पर निर्भर हैं और इस निर्भरता में वे तरह-तरह की मुसीबतें झेलते हैं। उन्हें अकेला छोड़ दिया जाता, वक्त पर इलाज नहीं मिलता। बहुत बार वे भीख तक मांगने को मजबूर होते हैं। अभी बनारस की एक खबर सुर्खियां बनी थी, जिसमें एक लेखक को उसके बच्चों ने घर से निकाल दिया। उनके पास अस्सी करोड़ रुपये की संपत्ति भी थी, लेकिन अंतिम दिन एक कुष्ठ आश्रम में काटने पड़े। सूचना के बावजूद अंतिम संस्कार के वक्त भी बच्चे नहीं आए। देश के एक बड़े उद्योगपति के साथ भी ऐसा हो चुका है।

मैं जहां रहती हूं, उसके आस-पास कई पार्क हैं। वहां देखती हूं कि बहुत से लोग यूं ही खाली बैठे रहते हैं। कई तो ऐसे हैं, जो गर्मी की भरी दोपहर में भी वहां नजर आते हैं। उन्हें देखकर लगता है, क्या घर के अंदर उनके लिए कोई जगह नहीं? यह भी कि अगर इनके पास कोई काम होता, तो ये इस तरह न बैठे रहते? डॉक्टर कहते हैं कि काम करते आदमी के मुकाबले खाली बैठा आदमी बहुत जल्दी रोगों का शिकार हो जाता है। डिप्रेशन यानी अवसादग्रस्तता की बीमारी उनमें से एक है। इसीलिए अध्ययन बता रहे हैं कि बुजुर्गों में 'रिटायरमेंट डिप्रेशन' बढ़ता जा रहा है। जीवन भर, सुबह-शाम नौकरी की आपाधापी में लगे रहे, अब एकदम खाली हो गए, ऐसे में यही सोच हावी हो जाती है कि अब दिन कैसे कटेगा? और यदि आय का कोई नियमित साधन या स्रोत न हो, तो जीवन कैसे चलेगा?

इन दिनों बहुत से परिवारों के बच्चे या तो विदेश चले गए हैं या वे किसी दूसरे शहर में हैं। पैतृक शहर में भी हों, तो प्रायः माता-पिता के साथ नहीं रहना चाहते। ऐसे में, यह भावना आना स्वाभाविक है कि जिनके लिए जीवन खपा दिया, अंत में क्या हाथ आया? बड़े शहरों में तो फिर भी अगर घर में जगह न मिले, तो लोग मजबूर होकर वृद्धाश्रम का रुख कर लेते हैं, मगर छोटे शहरों में तो यह सुविधा भी नहीं है। बहुत से बुजुर्गों को घर में होते हुए भी बहुत अकेलेपन का सामना करना पड़ता है। चूंकि वे जिंदगी भर घर से बाहर रहे, इसलिए अब हर वक्त घर में रहना पत्नी और बच्चों को ही पसंद नहीं आता।

इन बुजुर्गों के लिए क्यों नहीं ऐसी व्यवस्थाएं की जातीं, जिनसे वे समाज और बच्चों पर खुद को बोझ न समझें और रिटायरमेंट को जीवन का अंत न मान बैठें। देखा जाए, तो यह उन बुजुर्गों की समस्या ज्यादा है, जो मध्यवर्ग, निम्न मध्यवर्ग से आते हैं और नौकरी-पेशा रहे हैं, वरना न तो किसान कभी रिटायर होते हैं, न व्यापारी, न ही छोटे-मोटे काम करने वाले लोग ही। इनके अलावा साधारण महिलाएं, चाहे वे नौकरी भी करती रही हों, कभी रिटायर नहीं होतीं। पूरी उम्र घर के काम उनके सामने मुंह बाए खड़े रहते हैं। इसलिए सरकारों और निजी क्षेत्र को अब ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जिनसे बुजुर्गों को भी काम मिल सके। इससे उनका समय भी कटेगा, वे किसी पर बोझ भी न होंगे और एक बड़ी आबादी बुजुर्ग होते हुए भी कामकाजी कहलाएगी।

होंडा और निसान के विलय

होंडा और निसान के विलय का फैसला विश्व कार बाजार के तेजी से बदले रूप की एक मिसाल है। बदलाव के कारण है: कार उपभोक्ताओं के बीच ईवी की बढ़ी मांग और ईवी के बाजार में चीनी कंपनियों का छा जाना। कभी होंडा और निसान कंपनियां कार बाजार का ज्यादा हिस्सा हासिल करने के लिए एक दूसरे से होड़ करती थीं। लेकिन अब इन दोनों जापानी कंपनियों ने आपस में विलय का एलान किया है। यह असाधारण घटना है। असल में यह विश्व कार बाजार के तेजी से बदले रूप की एक मिसाल है। इस परिवर्तन के दो प्रमुख आयाम है: कार उपभोक्ताओं के बीच इलेक्ट्रिक से चलने वाली कारों (ईवी) की तेजी से बढ़ी मांग और ईवी के बाजार में चीन की कंपनियों- खासकर बीवाईडी का छा जाना।

पांच साल पहले शायद ही ये कोई सोचता था कि निम्न श्रेणी की मैनुफैक्चरिंग से आगे बढ़ते हुए चीन कार के बाजार पर भी अपना दबदबा बनने लगेगा। लेकिन आज ऐसा हो चुका है। इससे जर्मनी और जापान की कार निर्माता तमाम बड़ी कंपनियां अपने को दबाव में महसूस कर रही हैं। इन कंपनियों की महारत पेट्रोल-डीजल व गैस से चलने वाली कारों के निर्माण में रही है। मगर विश्व बाजार में ऐसी कारों की मांग तेजी से घटी है। ईवी के क्षेत्र में इन कंपनियों ने प्रगति की है, लेकिन कीमत के मोर्चे पर वे पिट रही हैं। चीनी कारें उनकी तुलना में इतनी सस्ती हैं कि स्वाभाविक रूप से खरीदार उनकी तरफ खिंच जाते हैं। नतीजतन, जर्मनी की कंपनी फॉक्सवागन की मुसीबत की खबरें सुर्खियों में रही हैं।

यही हाल जापान और दक्षिण कोरियाई कंपनियों का है। चीन का बड़ा बाजार तेजी से उनके हाथ से निकला है। अमेरिका और यूरोप में आयात शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर सरकारों ने उन कंपनियों की मदद की है, लेकिन यह काफी साबित नहीं हुआ है। विलय की रणनीति भी शायद नाकाफी ही हो। होंडा ने कहा है कि विलय का लाभ 2030 से पहले नहीं मिलेगा। लेकिन तब तक तकनीक और आगे निकल चुकी होगी। असल सवाल यह है कि मूल्य प्रतिस्पर्धा में चीनी कंपनियों को मिले लाभ का जवाब जब तक ये कंपनियां नहीं ढूंढतीं, ऐसे उपाय अपर्याप्त बने रहेंगे। अभी तो विलय प्रस्ताव को शेयर धारकों से मंजूरी दिलाने और विलय के परिणामस्वरूप श्रमिकों की छंटनी आदि जैसी बड़ी चुनौतियों से निपटना ही बाकी है।

जल्द होगा भाजपा के जिला अध्यक्ष की घोषणा

राजनीतिक दलों में भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जो अपने संगठन को लेकर बहुत सजग रहती है, उसे कैसे मजबूत बनाकर रखा जाए,इसके प्रति गंभीर रहती है, संगठन पदाधिकारियों के समय पर होने वाले चुनाव से ही मजबूत होता है। संगठन के पदों पर काम करने वाले लोगों को मौका मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष बनने का मौका मिलता है। संगठन में नए नए लोगों को पद की जिम्मेदारी सौंपी जाती है तो वह उत्साह से काम करते हैं। इससे पार्टी ने नए नेताओं को सामने आने का मौका भी मिलता है। इसका लाभ भाजपा को चुनाव में मिलता है। बाकी दलों के नेता व कार्यकर्ता जहां तक पहुंच नहीं पाते हैं, भाजपा के नेता वहां रहकर अपनी पार्टी को जिताते हैं।

कांग्रेस दो साल से कह रही है कि संगठन को मजबूत करना है लेकिन वहां न तो निचले स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति हो सकी है न ही नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हो सकी है, वहीं भाजपा संगठन में मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद दो दिन में ही जिला अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी गई है। पहले दिन 15 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई और दूसरे दिन 19 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। जिला अध्यक्षों के नामों की घोषणा होने के पहले ही यह साफ कर दिया गया था कि इस बार नए लोगों को मौका दिया जाएगा, पुराने लोगों को रिपीट नहीं किया जाएगा। पहले दिन जिन 15 जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई है, उसमें बताया जाता है 13 जिलों में नए लोगों की नियुक्ति की गई तथा दो जिलों में रायपुर ग्रामीण व बलरामपुर जिले में पुराने अध्यक्षों को रिपीट किया गया है।

इस बार संगठन में काम करने वालों को ज्यादा महत्व दिया गया है और संदेश दिया गया है कि अब संगठन में काम करने वालों को पद की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। जातिगत समीकरण को ध्यान में रखते हुए 15 में से 6 जिलों की कमान ओबीसी को सौंपी गई है तथा इसके बाद सामान्य,एससी,एसटी को भी महत्व दिया गया है।जहां तक पहली सूची की बात है तो इसमें एक ही जिले में महिला को जिलाध्यक्ष बनाया गया है।दूसरी सूची में तीन महिलाओं को मौका दिया गया है.पहली सूची में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी से नम्रता सिंह को मौका दिया गया है तो दूसरी सूची में मनेद्रगढ़-चिरमिरी,भरतपुर से चंपादेवी पावले, नारायणपुर से संध्या पंवार,सारंगढ़-बिलाईगढ़ से ज्योति पटेल को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। यानी 19 और 15 कुल 34 पदों में चार पदों पर ही महिला अध्यक्ष बनाया गया है। लगता है कि भाजपा को भरोसा नहीं है कि महिलाएं अच्छी जिला अध्यक्ष नहीं बन सकती है।34 में 10 जिलों में भी महिला अध्यक्ष बनाई गई होती तो लगता कि भाजपा महिलाओं को अब ज्यादा महत्व दे रही है। मंडल अध्यक्ष में चुनाव विवाद के बाद जिला अध्यक्षों के चयन में किसी तरह का बवाल न हो इसके लिए हर जिले से तीन नामों का पैलन बनाकर दिल्ली भेज दिया गया था,वहां के ज्यादातर जिलों के अध्यक्ष तय हो गए हैं और बड़ी बात यह है कि किसी ने इसका विरोध नहीं किया है। दिल्ली के फैसले का कोई विरोध कर भी नहीं सकता। कांग्रेस में भी ऐसा होता है और भाजपा में भी ऐसा हुआ है।

जिला अध्यक्ष के चुनाव में अब दो जगह ही राजनांदगांव व कर्वधा के जिला अध्यक्ष चुने जाने बाकी हैं, बताया जाता है कि दोनों जगह आपसी सहमति बनी तो आठ जनवरी को नामों की घोषणा कर दी जाएगी। ऐसा नहीं होता है तो प्रदेश अध्यक्ष दोनों जिलों के अध्यक्ष की घोषणा करेंगे। बताया जाता है कि दोनों जिलों में गुटबाजी के कारण किसी एक नाम पर फैसला नहीं हो सका है।रायपुर जिले की कमान वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश ठाकुर को सौंपी गई है।जबकि ग्रामीण अध्यक्ष श्याम नारंग को रिपीट किया गया है। बताया जाता है कि रमेश ठाकुर बृजमोहन अग्रवाल के करीबी माने जाते हैं, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने भी उनके नाम की सिफारिश की थी। रमेश सिंह ठाकुर लंबे समय से संगठन में काम कर रहे थे, वह पार्टी संगठन में महामंत्री का काम कर रहे थे।

इसी तरह और भी जिला अध्यक्ष संगठन में काम करने के अलावा किसी ने किसी नेता की पसंद हो सकते हैं। यानी भाजपा में भी कार्यकर्ताओं की पसंद के साथ ही जिला अध्यक्ष चयन में सांसदों, विधायकों की राय को भी महत्व दिया गया है। दिल्ली से जिला अध्यक्ष चयन होने के कारण यह तो पता चलता है कि दिल्ली और सांसदों व विधायकों की पसंद क्या थी लेकिन यह पता नहीं चलता है कि जिन दो लोगों को जिला अध्यक्ष नहीं चुना गया, क्यों नहीं चुना गया।इससे ऐसा लगता है कि चुनाव में जितनी पारदर्शिता होनी चाहिए, उतनी पारदर्शिता नहीं है। कुछ तो पार्टी के लोगों को पता नहीं चल रहा है कि ऐसा नहीं किया गया तो क्यों किया गया। पारदर्शिता के मामले में देखा जाए तो भाजपा व कांग्रेस में कोई खास फर्क नहीं रह गया है।वहां भी दिल्ली, मंत्री, सांसद, विधायक की पंसद को कार्यकर्ताओं को स्वीकार करना पड़ता है,यहां भी कार्यकर्ताओं को स्वीकार करना पड़ रहा है।

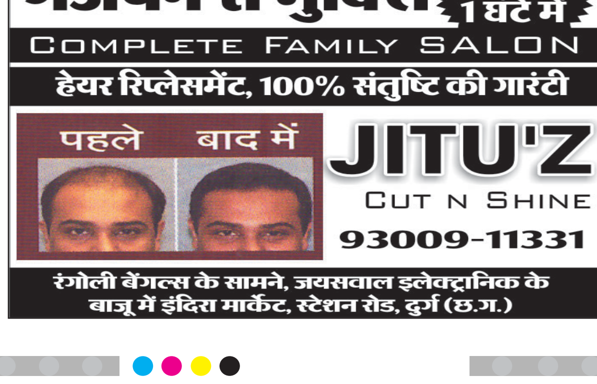

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

विधायक रिकेश सेन नगर पालिका चुनाव के लिए दुर्ग संभाग के प्रभारी नियुक्त

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी नगर पालिका चुनाव के लिए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन को दुर्ग संभाग का चुनाव प्रभारी/ संयोजक नियुक्त किया है। आपको बता दें कि आसन्न नगर पालिका चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने विधायक रिकेश सेन, सचिन बघेल, डॉ. सियाराम साहू, पूनम चंद्राकर, संतोष अग्रवाल, प्रदीप गांधी, लाभचंद बाफना, लोकेश कावड़िया, गौरीशंकर श्रीवास सहित 9 लोगों की टीम नियुक्त की है।

नेहरू आर्ट गैलरी में रश्मि भल्ला द्वारा निर्मित पेंटिंग्स की एकल प्रदर्शनी का उद्घाटन आज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित, इंदिरा प्लेस, सिविक सेंटर स्थित नेहरू आर्ट गैलरी में, रश्मि भल्ला द्वारा निर्मित पेटिंग्स की तीन दिवसीय एकल प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन आज 09 जनवरी 2025 को संध्याकाल मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक निषा सोनी द्वारा किया जायेगा। रश्मि भल्ला ने सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, मुंबई से फाइन आर्ट्स में डिप्लोमा किया है। वह एक निपुण कलाकार हैं और उन्हें चित्रकला में अमूर्त और आधुनिक कला की अन्य समान शैलियों के लिए जाना जाता है। उनकी कलाकृतियाँ राज्य और राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित मंचों पर प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें राष्ट्रीय ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, जहाँगीर आर्ट गैलरी, मुंबई, कालिदास अकादमी, उज्जैन, स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट आर्ट गैलरी, रायपुर, आदि शामिल हैं। भल्ला ने कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किया है, जिनमें संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली से वरिष्ठ फैलोशिप, राष्ट्रीय ललित कला अकादमी द्वारा जारी 100 सर्वश्रेष्ठ कलाकारों में शामिल, अवंतिका अखिल भारतीय चित्रकला प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक, अवंतिका डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पुरस्कार, अवंतिका अखिल भारतीय कला श्री सम्मान आदि शामिल है।

शहर सेवादल की कमान पिंकी व सापेकर को मिली

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक अरुण ताम्रकार ने श्रीमती पिंकी झा को दुर्ग शहर सेवादल महिला अध्यक्ष व विकास सापेकर को सेवादल दुर्ग शहर अध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति पर पिंकी झा व विकास सापेकर ने प्रदेश सेवादल अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक अरुण वोरा के प्रति आभार व्यक्त किया है। सेवादल दुर्ग शहर महिला अध्यक्ष पिंकी झा व शहर अध्यक्ष सापेकर ने कहा कि जो विश्वास हम पर व्यक्त किया गया है। उस विश्वास की कसौटी पर हमेशा अपने कार्यकर्ताओं के साथ खरा उतरने का प्रयास करेगें। साथ ही नगरीय निकाय के चुनाव को ध्यान में रखते हुए अपनी संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तार वरिष्ठ नेताओं से सलाह मशवरा करके संपादित करेंगे।

रिसाली निगम में महापौर व सभापति में ठनी

महापौर ने कहा एकतरफा पारित हुआ प्रस्ताव सभापति बोले-बहुमत के आधार पर हुआ पास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर निगम रिसाली में महापौर शशि सिन्हा व सभापति केशव बंछोर के बीच ठन गई है। बुधवार को सफाई के टेंडर को लेकर बुलाई गई विशेष सामान्य सभा की बैठक के बाद जहां महापौर ने एक तरफा प्रस्ताव पारित करने की बात करते हुए शिकायत करने व न्यायालय तक जाने की बात कही तो वहीं सभापति केशव बंछोर ने कहा कि बहुमत के आधार पर सफाई के टेंडर को पारित किया गया।

रिसाली निगम क्षेत्र के वार्डो की सफाई व्यवस्था का निविदा दर विशेष सामान्य सभा में बहुमत से पारित किया। विशेष सभा में सभी पार्षदों ने शहर हित में फैसला लिया। सभापति केशव बंछोर ने कोरम के अभाव में 10 मिनट के लिए सदन को स्थगित किया। स्थगन पश्चात पटल में एजेंडा को रखा। बुधवार को सुबह 11 बजे शुरू हुए विशेष सभा में सभापति ने चर्चा उपरांत एजेण्डा को पास करने अभिमत मांगा। हालांकि महापौर परिषद के सदस्य इसका विरोध करते रहे। बाद में सभापति ने बहुमत के आधार पर एजेंडा को पारित होने की घोषणा की। सभा 11 बजकर 10 मिनट में शुरू हुई और 11:40 को राष्ट्रगान के साथ समापन की घोषणा हुई। जब प्रस्ताव पारित हुआ तब महापौर शशि सिन्हा, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एमआईसी संजू नेताम, जहीर अब्बास, सनीर साहू, अनिल देशमुख, चंद्रप्रकाश सिंह, परमेश्वर कुमार, डॉ सीमा साहू, ममता यादव समेत सभी पार्षद मौजूद थे।

बहुमत के आधार पर लाई गई सामान्य सभा

सामान्य सभा की बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा में सभापति केशव कहा कि बहुमत के आधार पर आज की विशेष सामान सभा में लाई गई सभी प्रस्ताव को पास कर दिया गया है। वहीं महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि सभापति ने हमारी बातों को नहीं सुना एक तरफा प्रस्ताव को पारित कर दिया है इस मामलों को लेकर हम शिकायत करेंगे जरूरत पड़ी तो न्यायालय भी जाएंगे।

साफ-सफाई के प्रस्ताव को नियम के तहत भेजा गया

बैठक के संबंध में आयुक्त ने कहा है समय सीमा पर एमआईसी में साफसफाई के प्रस्ताव को नियम के तहत भेजा गया था। महापौर ने 10 दिन तक इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी तब उनके द्वारा इस प्रस्ताव को सामान्य सभा में भेजा गया जो नियम के तहत किया गया है।

पहले 10 मिनट का स्थगन

सभापति निर्धारित समय 11 बजे सदन पहुंच गए थे। उन्होंने राजकीय गीत से सदन की शुरूआत की। कोरम पूरा नहीं होने के अभाव में सदन को 10 मिनट स्थगन की घोषणा की। इसी बीच महापौर शशि सिन्हा एमआईसी और सहयोगी पार्षदों के साथ सभागान पहुंची। स्थगन समय समाप्ती के बाद निगम सचिव ने एजेण्डा को पटल में रखा। सामान्य सभा शुरू होने के बाद महापौर शशि सिन्हा के देर से आने को लेकर भी चर्चा होती रही।

सफाई टेंडर रोके जाने की हो जांच

नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू ने सभापति से मांग की महापौर द्वारा सफाई टेंडर को क्यों रोका गया इसकी जांच होनी चाहिए। 2 साल से निगम में सफाई का टेंडर नहीं हो रहा है जिसके वजह से हमारे वार्डों में परेशानी हो रही है। वहीं पार्षद विलास राव ने कहा कि हम लोग चुनकर आए हैं कमीशन के लिए काम नहीं कर रहे हैं। साफ–सफाई एक बड़ा मुद्दा है इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। 2 साल से टेंडर नहीं होने की वजह से वार्डों में साफ सफाई की स्थिति खराब हो गई है।

जाने दर स्वीकृति को

- नगर पालिक निगम रिसाली ग्रुप 01 के वार्ड क्र. 1, 2, 3, 4, 5, 22, 23 एवं 24 में सफाई व्यवस्था कार्य के लिए दर 3 करोड़ 15 लाख।
- नगर पालिक निगम रिसाली ग्रुप 02 के वार्ड क्र. 13, 14, 25, 26, 27 28, 29, 30 एवं 31 में सफाई व्यवस्था के लिए दर 3 करोड़ 17 लाख।
- नगर पालिक निगम रिसाली ग्रुप 03 के वार्ड क्र. 15, 16, 17, 18, 19, 20 एवं 21 में सफाई व्यवस्था कार्य के लिए दर 2 करोड़ 80 लाख।
- नगर पालिक निगम रिसाली ग्रुप 04 में वार्ड क्र. 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39 एवं 40 में सफाई व्यवस्था कार्य के लिए दर 3 करोड़ 17 लाख।
- प्लेसमेंट श्रमिक प्रदाय कार्य के लिए स्वीकृत दर 4 करोड़ 33 लाख 34 हजार 7 सौ आठ।

पावर हाउस सर्कुलर मार्केट के पास बनेगा आधुनिक सुविधा युक्त शौचालय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र का पावर हाउस एक प्रमुख मार्केट है, जिसमें सब्जी मार्केट, सर्कुलर मार्केट, लिंक रोड, हार्ड वेयर लाईन आदि जगहो पर हजारो नागरिक आते जाते है। दुकानो में काम करने वाले भी बहुत सारे व्यापारी कर्मचारियो के लिए सुविधा युक्त शौचालय की आवश्यकता थी।

पूर्व में शौचालय निर्मित है और आवश्यकता को देखते हुए, चेम्बर आफ कामर्स के प्रतिनिधियों द्वारा केवल महिलाओं के लिए शौचालय का मांग किया जा रहा था। जिससे सबको प्रसाधन की सुविधा मिल सकें। वहां पर एक पिंक टॉयलेट बनाया जाएगा जिसका इस्तेमाल केवल महिलाएं करेंगी। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, जोन आयुक्त सतीश यादव एवं संबंधित अधिकारियो को लेकर पावर हाउस मार्केट का दौरा किये। निगम के पुराने शौचालयो का भी निरीक्षण किये, कहां पर नवीन शौचालय बनाया जाये, जो सबके लिए सुविधाजनक होगा। सभी नागरिक उसका लाभ ले सकें। चर्चा के दौरान आया कि रोजगार कार्यालय, सीएसपी थाने के पीछे, सब्जी मंडी के तरफ एवं बीएसपी बाल मंदिर वार्ड क्रं. 36 के पास, व्यापारियो का मांग है कि सर्कुलर मार्केट के समीप एक युरिनल बनाया जाए। इसके निर्माण के लिए भी निर्देश दिये है। इन सभी जगहो का चयन करके संबंधित कार्यवाही शीध्र की जायेगी। केवल महिलाओं को इस्तेमाल करने के लिए शौचालय भी बनेगा।

निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, उपअभियंता शंकर मरकाम, स्वास्थय अधिकारी जावेद अली, जनसंपर्क अधिकारी अजय शुक्ला ,जोन स्वास्थ्य अधिकारी बिरेन्द्र बंजारे, हेमंत मांझी आदि उपस्थित रहे। सभी को समय अवधि में गुणवत्तापूर्वक कार्य को पूर्ण करना है, सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाना है।

घर में सोलर पैनल लगवा के पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठावें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में आज प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में बैठक आयोजित की गई। जिसमें क्रेडा एवं सोलर पैनल लगाने वाले एजेंसी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए। किस प्रकार से हम सब अपने घरो में सोलर पैनल लगवाके इस योजना का लाभ ले सकते है। उपस्थित सदस्यो द्वारा यह बताया गया कि प्रतिमाह 300 युनिट बिजली तक की योजना का लाभ लेने पर 78000 हजार तक सब्सिडी आवश्यकतानुसार सस्ते ब्याज दर पर बैंको द्वारा लोन भी प्रदान किया जा रहा है। 0 से 2 किलो वाट तक अनुदान 30 हजार से 60 हजार तक, 150 से 300 खपत युनिट तक सोलर प्लांट 2 से 3 किलो वाट पर 60 हजार से 78 हजार तक एवं 300 युनिट खपत तक 3 किलो वाट से अधिक 78 हजार रूपये तक का सब्सिडी शासन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। मुख्य अभियंता भागीरथी वर्मा, अधिक्षण अभियंता दीपक जोशी द्वारा अधिकारी कर्मचारियो की उपस्थिति में एजेंसी के सदस्यो से आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई।

बीएसपी के सिंटर प्लांट-3 में आयरन ओर फाइन्स बंकर नं. 5 की कमीशनिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सिन्टर प्लांट-3 (एसपी-3) मशीन 2 के आयरन ओर फाइन बंकर नं. 5 का उद्घाटन 7 जनवरी 2025 को सफ्लतापूर्वक कैपिटल रिपेयर के बाद किया गया। यह बंकर एसपी-3 मशीन 2 में उपस्थित विभिन्न कच्चे माल के भंडारण के लिए 13 बंकरों में से एक है। बंकर लगभग 23 मीटर ऊंचा और 7400 मिमी व्यास का है, इसमें लगभग 1600 टन आयरन ओर फाइन्स का भंडारण किया जा सकता है।

बंकर नंबर 5 की कमीशनिंग का उद्घाटन समारोह, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एमएंडयू) बी के बेहरा, मुख्य महाप्रबंधक अनूप कुमार दत्ता, महाप्रबंधक प्रभारी एस हलधर और महाप्रबंधक प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष सजीव वर्गीस सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह पूरा कार्य उपमहाप्रबंधक एम यू राव, सहायक महाप्रबंधक अनिल भावे, महाप्रबंधक वर्गीस जॉन, वरिष्ठ प्रबंधक ओम नम: शर्मा और वरिष्ठ प्रबंधक विपिन मौर्य के तकनीकी मार्गदर्शन में किया गया। महाप्रबंधक आई वी रमना और वरिष्ठ प्रबंधक जितेश शाहनी द्वारा योजना और समन्वय का कार्य किया गया। बंकर के रिपेयर के लिए समय पर बड़ी मात्रा में आपूर्ति करने हेतु महाप्रबंधक जीतेंद्र मोटवानी और सहायक महाप्रबंधक निरंजन महंता की एसपी-3 द्वारा सराहना की गई। लौह अयस्क फाइन्स बंकर नं. 5 की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी थी,, जिसके कारण यह कभी भी ढह सकता था। सिंटर मशीन 2 के चालू होने के बाद पहली बार इस बंकर की कैपिटल रिपेयर की गई। रिपेयर मई 2024 के दौरान शुरू हुई थी और दिसंबर 2024 के अंतिम सप्ताह के दौरान दुर्घटना मुक्त तरीके से पूरी हुई।

रिपेयर अवधि के दौरान, प्लेट मिल में 10 मिमी मोटे बड़ी मात्रा में एमएस और एसएआईएल हार्ड प्लेट्स रोल की गईं, जिन्हें ड्रॉइंग के अनुसार स्ट्रक्चरल शॉप में मोड़ा गया और प्लांट गैराज द्वारा उपलब्ध कराए गए ट्रेलर के माध्यम से एसपी-3 में शिफ्ट किया गया।

दक्ष वैद्य ने मंत्री कश्यप से सहकारिता के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जाने की रखी मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा युवा नेता एवं छात्र ब्रिगेड हिन्द सेना समाजसेवी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य ने छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं छात्रों, युवाओं के अधिकारों एवं हित सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

कानून की पढ़ाई कर रहे युवा नेता दक्ष वैद्य ने रायपुर स्थित मंत्री निवास में वन, जलवायु परिवर्तन, सहकारिता एवं जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप से भेंट कर उनका अभिनंदन किया।तत्पश्चात सियासी और विभागीय उपलब्धियों पर लंबी चर्चा का सिलसिला शुरू हुआ। दक्ष ने मंत्री केदार कश्यप के समक्ष खुशी जताते हुए कहा कि आपके वन मंत्री बनने के बाद छत्तीसगढ़ के जंगल गुलजार और आबाद हो रहे हैं। अचानकमार अभ्यारण्य और आसपास के जंगलों में तथा सुकमा के कोंटा इलाके के जंगलों में बाघों की मौजूदगी, कांकेर एवं धमतरी जिलों के जंगलों में भालुओं का स्वच्छंद विचरण इस बात के सबूत हैं कि जंगली जानवरों को भी हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी और वन मंत्री केदार कश्यप जी का सुशासन भा गया है। दक्ष की इस बात पर मंत्री कश्यप ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के जंगलों में वन्य प्राणियों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया हैं।

दक्ष वैद्य ने सहकारिता के क्षेत्र में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं राज्य के सहकारिता मंत्री केदार कश्यप द्वारा सहकार से समृद्धि के ध्येय वाक्य के साथ किए जा रहे कार्यों का जिक्र किया। दक्ष ने कहा कि राज्य में सहकारिता आंदोलन मजबूत हुआ है। किसानों, मछुआरों, महिलाओं, बुनकरों आदि के कल्याण के लिए आपके द्वारा उठाए गए कदमों एवं शुरू की गई योजनाओं के अच्छे नतीजे सामने आने लगे हैं। मछुआरों की आय में वृद्धि हो रही है,महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं, किसानों की आय दुगुनी करने में आपकी स्कीम बड़ा योगदान दे रही है और बुनकरों का भी जीवन स्तर सुधर रहा है। दक्ष वैद्य ने मंत्री श्री कश्यप से आग्रह किया कि सहकारिता के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए, पर्यावरण संरक्षण में भी युवाओं से रचनात्मक सहयोग लेकर उन्हें आर्थिक मदद दी जानी चाहिए। सिंचाई सुविधाओं का उल्लेख करते हुए दक्ष वैद्य ने कहा कि साय सरकार के आने और आपको जल संसाधन विभाग का दायित्व मिलने के बाद छत्तीसगढ़ में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार,नहर लाइनिंग कार्य,नहरों के रख रखाव एवं मरम्मत पर पूरा ध्यान दिए जाने से सिंचाई रकबा बढ़ा है।

दुर्ग रीजन के 10795 बिजली बकायादारों पर कार्रवाई कर वसूले 10 करोड़ से अधिक की राशि

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र द्वारा बकायेदार उपभोक्ताओं से बकाया राजस्व वसूली के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत दुर्ग रीजन (दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले) में विगत दिसंबर माह में एक महिने के भीतर 10795 घरेलू, गैरघरेलू एवं अन्य श्रेणी के निम्नदाब उपभोक्ताओं से 10 करोड़ 81 हजार रुपए की वसूली की गई। इस दौरान बार-बार ध्यान आकृष्ट कराये जाने के बावजूद बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 8168 बकायेदार उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन काटे गये।

खास खबर...

निर्धारित समय पर डॉक्टर एवं कर्मचारियों को पहुंचने दिए निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह खोखो पारा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर ने अस्पताल का निरीक्षण किया और डॉक्टरों को ओपीडी के निर्धारित समय पर पहुंचने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल की साफ-सफाई, उपकरणों की स्थिति, स्टाफ की मौजूदगी, और मरीजों को दी जा रही सेवाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान मरीजों से भी बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी भी ली। डॉ. सिंह ने स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप भी उपस्थित थे।

प्रशासक डॉ. सिंह ने आम नागरिकों से की बातचीत, समस्याओं को सुना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशा अनुरूप आमजनों के आवेदनों और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। आज कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक डॉ. गौरव सिंह ने नगर निगम मुख्यालय के

विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। डॉ. सिंह ने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के शाखा का निरीक्षण किया और वहां आवेदन करने पहुंचे लोगों से बातचीत कर आवेदनों की जानकारी ली और लंबित प्रकरणों को तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने की कार्रवाई तेजी के साथ की जाएं और समय-सीमा के भीतर प्रमाण पत्र बनाकर लोगों को दिया जाएं। साथ ही डॉ. सिंह बाजार शाखा में पहुंचकर रिकॉर्ड की जांच की। साथ ही बाजार शाखा में प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण करने के लिए एक और कर्मचारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान निगम प्रशासक ने कहा कि लंबित रिकॉर्ड का त्वरित निराकरण किया जाएं। पुराने आवेदनों का तत्काल निराकरण किया जाएं। निगम प्रशासक ने कहा कि पीएम आवास शाखा में आवेदन लेकर पहुंचने वाले लोगों को योजनाओं की जानकारी दी जाएं। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

आत्मनिर्भर बनाने 30 हितग्राहियों को निःशुल्क टेक्सटाईल प्रशिक्षण

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर छत्तीसगढ़ राज्य का पहला ऐसा नगरीय निकाय आज बन गया है, जहां प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उसके आवासो के रहवासी हितग्राहियों को जीवन में स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु पूरी तरह निःशुल्क टेक्सटाईल प्रशिक्षक केन्द्र प्रारंभ किया गया है। वर्तमान में अमलीडीह के प्रधानमंत्री आवास योजना परिसर में रहवासी 30 हितग्राहियों के साथ निःशुल्क प्रशिक्षक देने एक बैच प्रारंभ की गई है। शीघ्र ही इसका विस्तार कर 30-30 हितग्राहियों की 2 बैच प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों के रहवासी हितग्राहियों के लिये निःषुल्क प्रषिक्षण प्रारंभ कर दी जायेगी। एक वर्ष तक हितग्राहियों को निःशुल्क टेक्सटाईल प्रशिक्षक दिया जायेगा। जानकारी दी गई है कि इसमें शत प्रतिषत प्लेसमेंट की व्यवस्था है।

जानकारी के अनुसार टेक्सटाईल प्रशिक्षक हेतु लगभग 70 से 80 हजार रू. का व्यय आता है एवं इसमें मैकेनिकल प्रषिक्षण हेतु प्रयुक्त की जाने वाली मषीन 40 से 50 हजार रुपए तक की आती है। नगर निगम रायपुर द्वारा प्रदेष के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रषासन एवं विकास विभाग अरूण साव के मागदर्षन में राज्य शासन के नगरीय प्रषासन एवं विकास विभाग की समाज हितकारी मंषा अनुसार रायपुर जिला प्रषासन के मार्गदर्षन में रायपुर जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रषासक डॉ. गौरव कुमार सिंह एवं नगर निगम आयुक्त अबिनाष मिश्रा के निर्देष पर अमलीडीह में प्रधानमंत्री आवास योजना परिसर में पूरी तरह निःषुल्क टेक्सटाईल प्रषिक्षण केन्द्र प्रारंभ किया गया है। इससे हितग्राहियों के जीवन में आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन आयेगा।

कथा यदि जीवन को न जोड़े तो उसकी प्रासंगिगता कठिन हो जाती है-मैथिलीशरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रोज रामायण पढ़ते है और रोज नया अर्थ समझते है। कोई दिन ऐसा नहीं है किसी चौपाई में, जो कंठस्थ है उनमे भी मिलता है और याद की जाती है उनमें भी मिलता है। भगवान राम ने जन्म से लेकर और राम राज्य तक कोई भी कार्य अपने स्वयं निर्णय लेकर नहीं किया। या तो गुरुदेव ने कहा या पिताजी ने कहा, या हनुमान जी ने कहा या सीताजी ने कहा या किसी ने नहीं कहा इसको करना है तो उससे पूछा कि इसको कैसे करना है। कथा यदि जीवन को न जोड़े तो कथा की जो बात है जो वास्तविक वर्तमान स्वरुप है उसकी प्रासंगिगता लगा पाना कठिन हो जाएगी। सुअवसर का पता हमें कई बार नहीं होता है, जब जनक जी महाराज ने अवसर देखा तब सीताजी को बुलवाया। मन, वचन और कर्म से चतुराई को जो छोड़ देगा और भगवान का भजन करेगा उसके ऊपर भगवान कृपा करेंगे। सखियां चतुर है, जो मन, कर्म और वचन की चतुराई का

उपयोग संसार के लिए करते है उनके लिए चतुराई घातक है। लेकिन जो लोग मन, कर्म और वचन से चतुराई का उपयोग भगवान के लिए करते है, श्री किशोरी जी के लिए करते है वो चतुराई भी धन्य हो जाती है। जितने दोष है उतने दोष संसार में चाहे लोभ, लालच, काम, क्रोध हो ये सारे दोष रामचरित्र मानस में भक्ति के उपादान ही बताए गए है। भगवान के सबसे बड़े भक्त है हनुमान और भरत जी उन्होंने जो भगवान के चरणों में अपने आप को समर्पित कर दिया। जैसे कमल के पुष्प के ऊपर या किसी और पुष्प के ऊपर मंडरा करके अपने ढंग उसमें डालकर के उनके मकरंद के रस का पान करता है तो ऐसे लोभी भंवरा कौन है क्योंकि भरत जी का मन लोभी भंवरा का था।

मैक आडिटोरियम में कथा सत्संग में मैथिलीशरण भाई जी श्रद्दालुओं को बताया कि लोभ की आलोचना तो बहुत होती है, लोभी व्यक्ति को ऐसा नही करना चाहिए। संसार में जो दोष है उन्हीं दोषों का उपयोग और प्रयोग यदि भगवत दृष्टि से कर दिया जाए तो दोष गुण हो जाता है। भगवन राम ने भरत जी से कहा भी था कि गुण और दोष अनेक होते है, लेकिन गुण और दोष को अलग करके मत देखो। शब्द को सुना जाता है, उसके मकरंद को ग्रहण किया जाता है और जिस मकरंद को भरतजी ने भगवान राम के चरणो पीते है उस मकरंद को आज अपने मुख से कांध पीला रहे है। गुण और दोष अलग-अलग पदार्थ नहीं है क्योंकि होता सिर्फ गुण है, जब गुण का दुरुपयोग किया जाता है तब उसका नाम दोष पड़ जाता है। श्रुति वेद का एक नाम है और श्रुति कान का भी नाम है तो श्रुति बनती कैसी है। जब तक कोई अंग अपना कार्य नहीं करेगा जिस प्रकार मशीन अपना कार्य करती है उसके गुण के अनुसार उसका नाम डाला जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि जब वाणी कान में जाती है तब श्रुति बनती है, श्रुति बाद में हुई कि वाणी पहले हुई। क्योंकि श्रुति तभी तो बनी जब सुनी गई।

भले ही हमने और आप ने नहीं सुना लेकिन सत्पऋषियों ने इसे सुना या जिन महापुरुषों ने इसको सुना उसका नाम वेद पड़ गया। वेद पहले लिखे नहीं गए पढ़े गए। उसी का अभियंस, स्वरुप और नाम एक है आकाशवाणी। आकाश से जो वाणी होती है उसका नाम है तत्पदार्थ, जिसमे कोई व्यक्ति सामने दिखाई नही देता है, लेकिन होती है इसलिए सुनाई जिसको देती है वह होती है। कहीं-कहीं सबको सुनाई देती है और कहीं कहीं किसी को सुनाई देती है किसी को नहीं। क्योंकि जिस अमृत या मकरंद को भरतजी भगवान राम के चरणों में अपनी मति लगाकरके पान करते है, आज भगवान अपनी वाणी से भरत जी अपनी श्रुति से सुना रहे है। भरत श्रुति है वह क्यों है, भरत श्रुति इसलिए है कि वह धर्म के योद्धा है। रायपुर के श्रोताओ से महाराज जी ने कहा कि आपकी आँखों से हमने कथा को निकाला है। आपके जीवन से हमने आचरण सीखा है। इसके दो अर्थ है - क्या करना चाहिए यह भी सीखा और क्या नहीं करना चाहिए यह भी सीखा और हमसे भी आप दोनों सीखिएगा।

आश्रम-छात्रावासों में 'स्वच्छ परिसर स्वच्छ जीवन' अभियान चलाया जाए : सोनमणि

प्रमुख सचिव ने की विभागीय काम-काज की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सानमणि बोरा ने विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आश्रम-छात्रावासों में साफ-सफाई के लिए 'स्वच्छ परिसर स्वच्छ जीवन' अभियान चलाया जाए।

उन्होंने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार, पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा कर करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के तहत पात्र हितग्राही योजना का लाभ लेने से वंचित न रहे इसका भी विशेष रूप से ध्यान दिया जाए। बैठक नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। समीक्षा बैठक में आयुक्त पी.एस.एल्मा, अपर संचालक संजय गौड़ सहित सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव ने कहा कि छात्रावास आश्रमों में प्राप्त सामग्री के उपयोग से पूर्व निर्माण एवं क्रय समिति से अनुमोदन के साथ ही सामग्री का भौतिक सत्यापन भी कराया जाए। उन्होंने सहायक आयुक्तों को अनुदान प्राप्त शासकीय संस्थाओं की हर चार माह में बैठक लेने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा न्यायालयीन प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के संबंध में निर्देश दिए।

उन्होंने छात्रावास-आश्रमों की साफ-सफाई के संबंध में स्वच्छ परिसर स्वच्छ जीवन अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। इस अभियान के अंतर्गत छात्रावास-आश्रमों में स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ रसोई घर, बच्चों की क्लासरूम एवं शयन कक्ष में साफ-सफाई, परिसर में साफ-सफाई, किचन गार्डन एवं परिसर में डी.डी.टी. का छिड़काव इत्यादि व्यवस्थाएं किया जाना है। इसके अलावा बच्चों को टीकाकरण, सिकलसेल जांच, मलेरिया जांच, एनीमिया जांच एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु भर्ती की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में प्रवेश बढ़ाने के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। पीवीटीजी समुदाय का कोई भी बच्चा शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित नहीं रहना चाहिए, इसका पूर्ण ध्यान रखा जाए।

उन्होंने निर्माण कार्यों में पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए और सहायक आयुक्त एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव बोरा द्वारा टीआरटीआई परिसर में निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का भी निरीक्षण किया गया उन्होंने कार्य की अपेक्षित प्रगति ना होने पर निर्माण एंजेसी के अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य को पूर्ण गुणवत्ता सहित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

छह माह से वृद्ध महिला को नहीं मिला पेंशन, निगम प्रशासक ने तत्काल दिलाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशा अनुरूप जिले के आमजनों की समस्याओं को त्वरित निराकरण करने की पहल शुरू हो गई है। पेंशनधारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जा रहा है। नगर निगम प्रशासक डॉ. गौरव सिंह निगम मुख्यालय में पहुंचे और निराश्रित पेंशनधारियों से मुलाकात की और गंभीरता के साथ उनकी समस्याओं को सुना।

निगम मुख्यालय में निगम प्रशासक डॉ. सिंह को पेंशनधारी श्रीमती लालमती सिंह ठाकुर ने बताया कि पिछले छह माह से उनके खाते में पेंशन नहीं पहुंचा रहा है। इसकी वजह से उन्हें निगम मुख्यालय के बार-बार चक्कर लगाना पड़ रहा है। निगम प्रशासक डॉ. सिंह ने तत्काल अधिकारियों को निर्देशित किया और उनकी समस्याओं को तुरंत निराकृत करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बैंक प्रबंधन को जानकारी दी और उनके प्रकरणों को त्वरित निराकृत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा श्रीमती ठाकुर को तत्काल निराश्रित पेंशन की राशि 500 रूपए दी गई और बैंक संबंधी त्रुटियों को सुधार भी कराया गया। बाकी राशि वृद्ध महिला को जल्द ही दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि निगम अधिनियम के अनुसार निराश्रित पेंशन एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के नवीन प्रकरणों की स्वीकृति एमआईसी द्वारा दी जाती है। नगर निगम प्रशासक में एमआईसी की शक्तियां अधिनियम के तहत होती है एवं वे प्रकरणों में सक्षम स्वीकृति नगर निगम में देते है। इस संबंध में जिला कलेक्टर, निगम प्रशासक ने अधिकारियों को सभी आवेदनों पर स्वीकृति हेतु पात्रता अनुसार प्रकरण अविलंब नियमानुसार तैयार कर भेजने के निर्देश दिए, ताकि सभी पात्र हितग्राहियों को पेंशन का वांछित लाभ शासन की कल्याणकारी योजना के तहत सहज तरीके से नगर निगम रायपुर में प्राप्त हो सके।

सत्यापन के बाद रिकार्ड में हेराफेरी मिलने पर होगी कार्रवाई : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रास सोसायटी सभाकक्ष में धान खरीदी केंद्रो के भौतिक सत्यापन के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि यदि धान खरीदी के दौरान भौतिक सत्यापन के बाद रिकार्ड में कोई हेराफेरी या अनियमितताएँ पाई जाती हैं, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सत्यापन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए और इसे 31 जनवरी तक पूरा किया जाए।

खरीदी केंद्रो से जल्द करवाएं धान का उठाव

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि धान खरीदी केंद्रों में 7 जनवरी से भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह सत्यापन सुनिश्चित करेगा कि सभी किसानों का धान सही तरीके से खरीदा जा रहा है और कोई अनियमितता नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि धान का उठाव जल्द से जल्द करें ताकि केंद्रों पर बोझ कम किया जा सके और खरीदी प्रक्रिया को समय पर पूरा किया जा सके। बैठक में जिले के सभी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए और किसानों की सुविधा के लिए सभी तैयारियों को पूरी तरह से सुनिश्चित करने की बात कही गई।

कलेक्टर ने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन तत्पर रहेगा। वहीं विभागीय अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि खरीदी केंद्रो का निरीक्षण दल द्वारा तीन बार भौतिक सत्यापन किया जाएगा। पहले चरण में 7 से 14 जनवरी, दूसरा 15 से 22 जनवरी, तीसरा चरण 23 से 31 जनवरी तक होगा। साथ ही इसकी इंट्री मोबाइल एप में दी जाएगी। इसके बाद रिपोर्ट का निरीक्षण जिलों के द्वारा गठित राज्यस्तरीय दल द्वारा जिले में जाकर किया जाएगा। 8 जनवरी तक जिले में 5.4 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी और 2.9 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है।

उपायुक्त राजेश्वरी व जोन कमिश्नर ने स्मार्ट टॉयलेट के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर देखी सफाई व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर निगम के प्रशासक एवं जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार राजधानी शहर निगम क्षेत्र में जनहित में जनसुविधा हेतु अधिकारियों द्वारा जनउपयोगी कार्यो की व्यवस्था का निरीक्षण कर मॉनिटरिंग की जा रही है।

इसक्रम में नगर निगम उपायुक्त राजेश्वरी पटेल एवं निगम जोन 10 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा ने जोन 10 के ले अरविंद दीक्षित वार्ड क्षेत्र के तहत गुरूमुख सिंह नगर में नगर निगम द्वारा निर्माणाधीन स्मार्ट टायलेट के कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन जोन 10 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा की उपस्थिति में किया। उपायुक्त एवं जोन कमिश्नर ने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण कर जोन स्वास्थ्य अधिकारी को जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक निर्देश दिये।

निगम ने राजधानी के प्रमुख उद्यानों की स्वच्छता प्रसाधन व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश प्रबंधन का कार्य प्रगति पर

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा राजधानी शहर के विभिन्न प्रमुख उद्यानों में जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से स्वच्छता, पेयजल, प्रसाधन, प्रकाश व्यवस्था सौंदर्यीकरण के कार्यो को प्राथमिकता दी जा रही है।

राज्य शासन द्वारा नगर निगम में नवपदस्थ प्रशासक जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के विगत दिवस पदभार ग्रहण करने के बाद नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर सभी जोनों के अधिकारियों द्वारा प्रमुख उद्यानों में जनसुविधा हेतु मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति सहज रूप में करने मॉनिटरिंग कर कार्य करवाये जा रहे है। नगर निगम द्वारा राजधानी के गांधी उद्यान, आक्सीजोन, नगर निगम मुख्यालय के सामने उद्यान, मोतीबाग, अनुपम गार्डन सहित विभिन्न मुख्य उद्यानों में स्वच्छता व्यवस्था, प्रकाश प्रबंधन, पेयजल व्यवस्था, शौचालय प्रबंधन सहित पौधरोपण सौंदर्यीकरण के कार्यो को प्राथमिकता से तेज गति से जनहित में जनसुविधा के लिए करवाया जा रहा है। साथ ही उद्यानों में लॉन एवं पाथवे की

सफाई सहित पौधो की छटाई के कार्य को करवाया जा रहा है। शीघ्र ही राजधानी शहर रायपुर में प्रमुख उद्यान पूरी तरह संवरकर अपनी सुन्दरता सहित छटा बिखरेंगे।

रेड ब्लेजर पहन एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया अपने बोल्ड लुक्स को लेकर ज्यादा चर्चाओं में रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई हैं। इन फोटोज में उनका बॉसी लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अपने फैशन स्टेटमेंट्स के कारण अक्सर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस तारा सुतारिया आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने लुक्स से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग और बॉसी लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

तारा सुतारिया की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने रेड कलर का ब्लेजर पहना हुआ है, एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं। कानों में इयररिंग्स, बालों का स्टाइलिश लुक में बन बनाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

तारा सुतारिया अक्सर अपने लुक्स से फैंस को दीवाना बना देती हैं। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न उनका हर एक लुक फैंस के बीच चर्चाओं में रहता है।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

अक्षय की भांजी सिमर भाटिया अभिनय की दुनिया में कदम रखने तैयार

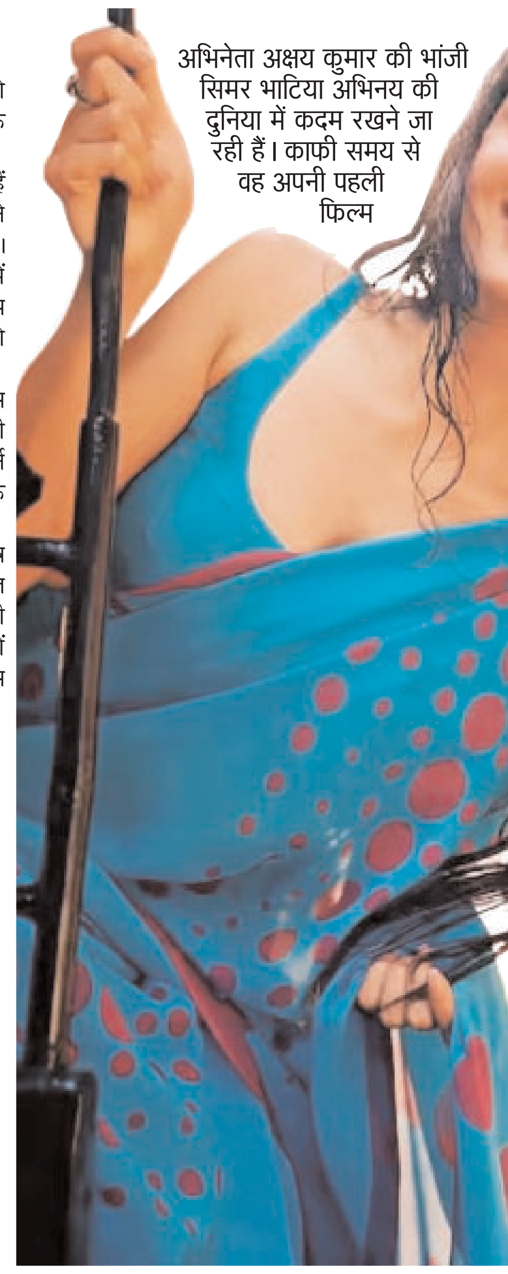

अभिनेता अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। काफी समय से वह अपनी पहली फिल्म

अगस्त्य नंदा के साथ बनी जोड़ी

इक्कीस को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में सिमर की जोड़ी अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ बनी है। द आर्चीज के बाद यह उनके करियर की दूसरी फिल्म है। इक्कीस सिमर और अगस्त के बीच पहला सहयोग है, जिसे लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। आइए बताते हैं आखिर सिमर कौन हैं।

सिमर अभिनेता अक्षय की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। अलका भी जानी-मानी फिल्म निर्माता हैं। वह अब तक अपने भाई अक्षय के साथ कई फिल्में बना चुकी हैं, जिनमें हॉलिडे, रुस्तम, एयरलिफ्ट, केसरी और अन्य शामिल हैं। हालांकि, वो मीडिया के कैमरों से हमेशा दूर रही हैं। बता दें कि सिमर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 13 हजार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। वह अपनी बोल्डनेस के लिए भी जानी जाती हैं। सिमर एक बाहरी की तरह बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। यही वजह है कि उनकी पहली फिल्म को लेकर पहले कोई हो-हल्ला नहीं हुआ। इक्कीस के निर्देशन की कमान श्रीराम राघवन ने संभाली है।

जयदीप अहलावत और धर्मेंद्र भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। अगस्त्य फिल्म में अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाते नजर आएंगे और धर्मेंद्र फिल्म में उनके पिता की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में खूब जंच रहीं कंगना रनौत

इमरजेंसी का दूसरा ट्रेलर रिलीज

कंगना रनौत स्टारर पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी की रिलीज डेट नजदीक आ रही है। फिल्म इमरजेंसी मौजूदा महीने में ही रिलीज होने जा रही है। कई बार विरोध झेलने के बाद फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। अब जब फिल्म आने वाले दस दिनों में रिलीज होने जा रही है तो फिल्म इमरजेंसी का दूसरा ट्रेलर रिलीज हो चुका है। कंगना रनौत ने अपनी मचअवेटेड फिल्म इमरजेंसी का दूसरा ट्रेलर रिलीज हो चुका है।

कंगना रनौत ने इससे पहले बीते साल 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर फिल्म का पहला ट्रेलर रिलीज किया था। वहीं, फिल्म आगामी 17 जनवरी को रिलीज होने जा रही है। ऐसे में फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर एक बार फिर रिलीज किया गया है।

ट्रेलर की शुरुआत अनुपम खेर के जयप्रकाश नायारण रोल से होती है, जोकि जेल से तत्कालीन प्रधानमंत्री को एक पत्र लिख रहे हैं। इस सीन के बाद कंगना रनौत की बतौर देश की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी के रोल में एंट्री होती है, जोकि अपने पीएमओ ऑफिस में बैठी हैं, जहां वह कहती हैं कि मैं ही कैबिनेट हूं, इसके बाद ताबड़तोड़ गोलियां की आवाज और जनता व पुलिस की झड़प, वहीं, इसके बाद साल 1971 के युद्ध का एलान होता है और फिर दुश्मन और इंडियन आर्मी की जंग के विजुअल्स दिखाए जाते हैं, वहीं, इस सीन में एक्टर मिलिंद सोमन को सैम मानेकशॉ के रोल में देखा जाता है। ट्रेलर का अंत इंदिरा इज इंडिया से होता है।

बता दें, फिल्म में कंगना रनौत, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, सतीश कौशिक, मिलिंद सोमन, महिला चौधरी और विशाक नायर अहम पॉलिटिकल लीडर्स के रोल में हैं। इस फिल्म का निर्देशन खुद कंगना रनौत ने किया है। फिल्म 17 जनवरी को रिलीज होने जा रही है। बता दें, कंगना रनौत बीते 9 सालों से बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप चल रही हैं और इस फिल्म से उन्हें बड़ी उम्मीद है। कंगना रनौत अब एक पॉलिटिकल लीडर भी हैं। बीते लोकसभा चुनाव 2024 में वह हिमाचल की मंडी सीट से बतौर बीजेपी कैंडिडेट चुनाव जीती हैं।

क्या हेयर ग्रोथ सीरम बालों की ग्रोथ को बढ़ाने में होते हैं मददगार?

आजकल बाजार में अलग-अलग प्रकार की बालों की समस्या के लिए कई तरह के हेयर सीरम मिलते हैं। जिनमें हेयर ग्रोथ सीरम सबसे प्रचलित हैं। लेकिन क्या इस प्रकार के सीरम का उपयोग वाकई बालों की सेहत के लिए लाभकारी होता है और क्या ये वाकई बालों की ग्रोथ को बढ़ाने में मददगार होते हैं। आइए जानते हैं।

क्या हेयर ग्रोथ सीरम बालों की ग्रोथ को बढ़ाने में होते हैं मददगार !

आजकल बाजार में बहुत से हेयर सीरम मिलते हैं। बालों की ग्रोथ को बेहतर करने ,बालों के टूटने-झड़ने को कम करने, उन्हे ज्यादा सेहतमंद, मजबूत व चमकदार बनाने या बालों में रूसी तथा कुछ अन्य प्रकार की समस्यों में राहत दिलाने का दावा करने वाले इन सीरम का उपयोग आजकल हर उम्र की महिलाएं व पुरुष कर रहे हैं। लेकिन क्या इस प्रकार के सीरम वाकई में बालों को टूटने से रोकने में या बालों के विकास में मददगार हो सकते हैं! चिकित्सकों की माने तो कई मामलों में कुछ विशेष गुणों वाले सीरम का उपयोग बालों के स्वास्थ्य में सुधार में मदद कर सकते हैं लेकिन सीरम के सही उपयोग के साथ कुछ अन्य बातों का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है।

क्या कहते हैं जानकार

डर्मेटोलोजिस्ट के अनुसार बालों के टूटने,झड़ने और उनके बढ़ने या विकास में रुकावट के कई कारण हो सकते हैं। इनमें सबसे आम कारणों में तनाव, हार्मोनल असंतुलन, खराब आहार, पोषक तत्वों की कमी जीन, और गलत हेयर

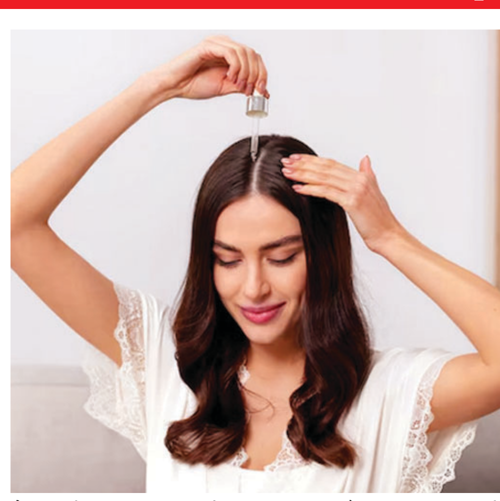

केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल शामिल हैं। यदि शरीर को पर्याप्त प्रोटीन, आयरन, और विटामिन नहीं मिलते, तो बालों का झड़ना और उनकी ग्रोथ धीमी हो सकती है। इसके अलावा, तनाव और चिंता भी बालों की सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं।

जरूरी है अतिरिक्त देखभाल

डर्मेटोलोजिस्ट बताते हैं कि कुछ मामलों में हेयर ग्रोथ सीरम लाभकारी हो सकता है लेकिन इसका असर हर व्यक्ति के बालों पर अलग-अलग हो सकता है। अगर सीरम में सही तत्व और पोषक पदार्थ हैं, तो यह बालों की जड़ों को मजबूत कर सकता है और बालों के विकास को बढ़ावा दे सकता है। जैसे सीरम में मौजूद तत्व जैसे मिनोक्सिडिल या बायोटिन बालों की जड़ों को पोषित कर सकते हैं, लेकिन इनका असर धीरे-धीरे होता है। लेकिन केवल हेयर ग्रोथ सीरम का इस्तेमाल अकेले बालों के गिरने या घने होने की समस्या का समाधान नहीं कर सकता है। इसके लिए सही खानपान, जीवनशैली, और बालों की देखभाल भी जरूरी है। सही आहार, नियमित जीवनशैली और सही देखभाल के साथ इन सीरमों का असर बढ़ सकता है।

डर्मेटोलोजिस्ट बताते हैं कि यदि आप बालों की ग्रोथ बढ़ाना चाहते हैं, तो सबसे पहले यह जरूरी है कि आप सही आहार लें। प्रोटीन, विटामिन, और मिनरल्स से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे हरी सब्जियां, फल, मेवे, और मछली का सेवन करें। इसके साथ ही सही जीवनशैली अपनाना भी आवश्यक है। पर्याप्त नींद, तनाव कम करना और नियमित व्यायाम बालों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके साथ ही बहुत जरूरी है कि बालों में सीरम का उपयोग सही तरीके से किया जाए। कुछ लोगों में इन उत्पादों से एलर्जी के मामले भी देखने में आते हैं। इसलिए बहुत जरूरी हैं कि सीरम के उपयोग से पहले जांच लें कि कहीं आपको उक्त उत्पाद से किसी प्रकार की एलर्जी तो नहीं है।

सावधानियां और ध्यान रखने योग्य बातें

गौरतलब है कि अगर आप बालों में सीरम का उपयोग कर रहे हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। जैसे हमेशा सही उत्पाद का चुनाव करें। बाजार में कई प्रकार के हेयर ग्रोथ सीरम मिलते हैं, लेकिन इनमें से सभी का असर समान नहीं होता। हमेशा ऐसे सीरम का चयन करें जिसमें विटामिन ई, बायोटिन, या मिनोक्सिडिल जैसे तत्व हों।

इसके अलावा अपने आहार और जीवनशैली का ध्यान रखें। केवल हेयर ग्रोथ सीरम पर निर्भर न रहें। सही आहार, पर्याप्त पानी, और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आवश्यक है। लेकिन सबसे जरूरी बात हैं कि सेल्फ-ट्रीटमेंट से बचें। अगर बालों के टूटने या झड़ने की समस्या ज्यादा हो तो अपने आप दवा लेने, घरेलू नुस्खों को अपनाने या सीरम का इस्तेमाल करने की बजाय चिकित्सक की सलाह पर जांच करवाए जिससे समस्या के मूल कारण का पता चल सके और उसके बाद सही इलाज करवाएं।

'बिग बॉस 18' में चाहत पांडे ने खुद किया बॉयफ्रेंड का खुलासा!, कशिश कपूर को दिखाई इंगेजमेंट रिंग?

चाहत पांडे इस समय चर्चा में हैं। उनकी मां ने दावा किया था कि जो भी चाहत के बॉयफ्रेंड के बारे में बता देगा, उसे 21 लाख रुपये का ईनाम देंगी। ये मामला इस समय काफी उछल रहा है। इस बीच चाहत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' में फैमिली वीकेंड में चाहत पांडे की मां भावना पांडे आई थीं। उन्होंने कई कंटेस्टेंट्स को जमकर फटकार लगाई, साथ ही ये भी दावा किया कि उनकी बेटी बहुत ही सीधी-सादी हैं और उनका कोई बॉयफ्रेंड नहीं है। इस मामले ने तूल पकड़ लिया। वीकेंड का वार में होस्ट सलमान खान ने एक वीडियो दिखा दिया, जिसमें चाहत केक के पास बैठी हुई हैं, जिस पर लिखा है कि रिश्ते को पांच साल हो गए हैं। अविनाश ने भी इसे मुद्दे को हवा दी और कहा कि सेट पर हर कोई चाहत और उनके रिलेशनशिप के बारे में जानता था। इतना सब होने के बाद चाहत की मां ने ये दावा कर दिया कि अगर कोई उस लड़के की शक्ल दिखा दे, जिसे उनकी बेटी डेट कर रही हैं तो वो उसे 21 लाख का ईनाम देंगी। इन सबके बीच अब चाहत का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो कशिश कपूर के साथ बात कर रही हैं। इसे देख फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वो अपने बॉयफ्रेंड के बारे में बात कर रही हैं और एक रिंग भी दिखा रही हैं।

चाहत पाण्डे का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वो कशिश कपूर से कह रही हैं, 'क्यूट तो मैं तुम्हें दिखाउंगी।' ये सुनकर कशिश मजाकिया अंदाज में उनकी टांग खींचने लगती हैं और कहती हैं, 'मुंह से निकल ही गया ना।' कशिश की बात सुनकर चाहत कहती हैं, 'जानबूझकर बोला, बताने का मन किया।' इसके बाद वो बहाने से अपनी उंगली में पहनी एक अंगूठी भी दिखाती हैं।

यूजर्स का वीडियो पर रिएक्शन

इस वीडियो पर कई यूजर्स अपना रिएक्शन दे रहे हैं। एक ने लिखा, 'अब बोलो कि वो सती सावित्री है।' दूसरे ने कॉमेंट किया, 'मजाक कर रही है चाहत, क्योंकि उस समय कशिश उसे परेशान कर रही थी अविनाश का नाम बोल बोलकर।' एक और ने लिखा, 'आंटी को बोलो 21 लाख अब दे दो। बेटी भी गई और पैसे भी गए।'

चेहरे पर दिखने लगता है तनाव का असर, इन 5 संकेतों से पहचाने

तनाव का असर केवल हमारे मन पर नहीं, बल्कि चेहरे पर भी साफ दिखाई देता है। यह लेख उन संकेतों को समझने में मदद करेगा, जो तनाव के कारण आपके चेहरे पर उभर सकते हैं। चाहे आप महिला हों या पुरुष, इन संकेतों को पहचानकर आप समय रहते अपने स्वास्थ्य का ख्याल रख सकते हैं। चेहरे पर तनाव के संकेतों को जानना जरूरी है ताकि आप सही समय पर उपाय कर सकें और अपनी सेहत को बेहतर बना सकें।

आंखों के नीचे काले घेरे होना

आंखों के नीचे काले घेरे अक्सर नींद की कमी और तनाव का नतीजा होते हैं। तनाव में हमारी नींद प्रभावित होती है, जिससे ये घेरे बन जाते हैं। यह आपकी सुंदरता के साथ स्वास्थ्य की स्थिति को भी दर्शाता है। इसे कम करने के लिए पर्याप्त नींद लेना और आरामदायक दिनचर्या अपनाना जरूरी है। ठंडे पानी से चेहरा धोना और खीरे के टुकड़े आंखों पर रखना भी फायदेमंद हो सकता है।

त्वचा पर रूखापन बढ़ना

तनाव का एक अन्य प्रमुख संकेत त्वचा का रूखापन होता है। जब हम मानसिक दबाव में होते हैं, तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे त्वचा सूखी और बेजान लगने लगती है। इस समस्या से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए और मॉइस्चराइजर का

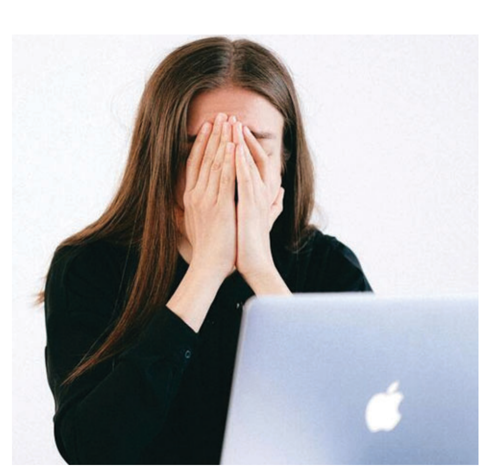

उपयोग करना चाहिए ताकि त्वचा हाइड्रेटेड रहे। इसके अलावा संतुलित आहार लेना भी जरूरी होता है, जिसमें विटामिन्स और मिनरल्स शामिल हों, जो त्वचा को पोषण प्रदान करें।

चेहरे पर मुंहासों का बढ़ते जाना

तनावग्रस्त होने पर हार्मोनल बदलाव होते हैं, जो मुंहासे या पिंपल्स पैदा कर सकते हैं। यह समस्या खासकर युवाओं में अधिक देखी जाती है क्योंकि उनकी त्वचा संवेदनशील होती है। इससे बचने के लिए नियमित रूप से चेहरा साफ करना चाहिए और तैलीय खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए, जो इस समस्या को बढ़ा सकते हैं। साथ ही योग या मेडिटेशन जैसी तकनीकों का सहारा लेकर मानसिक शांति प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए, जिससे तनाव कम हो सकेगा।

झुर्रियों का बढ़ना

झुर्रियों का जल्दी आना तनाव का संकेत हो सकता है क्योंकि चिंता के समय मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं, जिससे झुर्रियां बनती हैं। इसे रोकने के लिए चेहरे की मालिश करें, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। एंटी-एजिंग क्रीम या सीरम का उपयोग भी मददगार हो सकता है। सबसे अहम यह है कि खुद को मानसिक रूप से शांत रखने की कोशिश करें ताकि झुर्रियां जल्दी न आएं।

होंठों पर सूखापन आना

तनावग्रस्त होने पर होंठ सूखे दिख सकते हैं क्योंकि शरीर में पानी की कमी होती रहती है, जिसके कारण होंठ फट जाते हैं। इसे ठीक करने के लिए लिप बाम या नारियल तेल जैसे प्राकृतिक उत्पाद इस्तेमाल किए जा सकते हैं। साथ ही ज्यादा मात्रा मे तरल पदार्थ लें ताकि शरीर हाइड्रेटेड रह सके। ध्यान रखें कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर आप इन समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

प्राचीन संस्कृति और पर्यटन का संगम है 7वीं-8वीं शताब्दी का सिद्धेश्वर शिव मंदिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा के देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित एवं संवर्धित करने निरंतर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के नगर पंचायत पलारी स्थित सिद्धेश्वर शिव मंदिर को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। जनपद पंचायत मुख्यालय पलारी स्थित यह प्राचीन मंदिर जिले का सबसे बड़ा बालसमुंद जलाशय के पास स्थित है। यह 7वीं-8वीं शताब्दी ईस्वी में निर्मित है।

मंदिर की संरचना लाल ईंटों से की गई है और यह पश्चिमाभिमुखी है। इसके द्वार पर नदी देवियां गंगा और यमुना त्रिभंग मुद्रा में अंकित हैं, जबकि सिरदल पर त्रिदेवों और शिव विवाह का उत्कृष्ट शिल्पकला का प्रतीक है। गर्भगृह में सिद्धेश्वर शिवलिंग प्रतिस्थापित है। वहीं शिखर भाग कीर्तिमुख, गजमुख, और व्याघ्र की अलंकृत आकृतियों से सजा हुआ है। राज्य शासन की मंशानुरूप जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस मंदिर को पर्यटन स्थल के रुप में विकसित की जा रही है।

बिहान समूह द्वारा नौका विहार का संचालन

सिद्धेश्वर शिव मंदिर के समीप स्थित बालसमुंद जलाशय में बिहान समूह की महिलाओं द्वारा नौका विहार सेवाएं संचालित की जा रही हैं। यह पहल न केवल स्थानीय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक है बल्कि क्षेत्रीय पर्यटन को भी प्रोत्साहित कर रही है। नौका विहार का संचालन पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने का अवसर प्रदान करता है साथ ही स्थानीय लोगों की आय के स्रोतों को भी बढ़ावा देता है। यह प्रयास ग्रामीण पर्यटन और महिला सशक्तिकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रयास कलस्टर संगठन की दीदियों के द्वारा सप्ताह के सातों दिन नौका विहार संचालित की जाती है। इन दीदियों ने साल भर में 8 से 10 लाख रुपए की आय इस नौका विहार से प्राप्त कर चुकी है। बालसमुन्द नौका विहार में मोटर बोट, पैडल बोट, बेबी बोट, वॉटर रोलर, कवास व ट्रैपोलिन के माध्यम से यहां आने वाले पर्यटक बोटिंग का आनन्द लेते हैं। प्रयास कलस्टर संगठन की अध्यक्ष अनीता गोयल कहती है कि शासन ने इस बालसमुन्द नौका विहार को संचालित करने की जिम्मेदारी उनके समूह की महिलाओं को दी है इसके लिए मैं शासन का धन्यवाद करती हूं। इसके जरिए हम महिलाएं बिहान समुह से जुड़कर अपनी आजीविका चला रहे हैं और आर्थिक रूप से सशक्त और समृद्ध बनती जा रही है। यह हम महिलाओं के लिए बहुत ही सहयोगी सिद्ध हुआ है, इसके लिए मैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का बहुत बहुत धन्यवाद करती हूं।

छत्तीसगढ़ के सनावल को झारखंड से जोड़ेगा कन्हर नदी, बन रहा उच्च स्तरीय पुल

लोगों को आवागमन में मिलेगी बड़ी राहत

20 गांवों को मिलेगा इसका सीधा लाभ

पुल के निर्माण से सनावल क्षेत्र के धौली, कामेश्वरनगर, झारा, कुशफर, सेमरवा, इंद्रावतीपुर, बरवाही, दोलंगी, ओरंगा, रेवतीपुर, सुंदरपुर, सुरंगपान, कुण्डपान, पिपरपान, डुगरु, पचावल, त्रिशूली, सिलाजू, उचरवा, आनंदपुर जैसे 20 गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा, झारखंड के गढ़वा, नगर उटारी और धुरकी आने-जाने वाले यात्रियों को भी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने अधिकारियों को पुल निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और समय-सीमा के भीतर इसे पूरा करने के निर्देश दिए हैं। यह पुल न केवल क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन की सुविधा को बेहतर बनाएगा, बल्कि यह झारखंड और छत्तीसगढ़ के बीच व्यापारिक और सामाजिक रिश्तों को भी मजबूत करेगा।

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सनावल क्षेत्र को झारखंड से जोड़ने के लिए कन्हर नदी पर बन रहा उच्च स्तरीय पुल स्थानीय लोगों के आवागमन को आसान करेगा। लगभग 15.20 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस पुल का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। पुल के शुरू हो जाने से क्षेत्र के लगभग 20 गांवों की 40 हजार से अधिक आबादी को बारहों महीने निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलेगी।

सनावल क्षेत्र के लोग रोजमर्रा की खरीदारी और इलाज के लिए झारखंड के गढ़वा, नगर उटारी और धुरकी शहरों पर निर्भर हैं। अभी इन शहरों तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। पुल बनने के बाद यह दूरी आधी हो जाएगी। धौली से गढ़वा की वर्तमान दूरी 100 किलोमीटर से घटकर 55 किलोमीटर रह जाएगी। धौली से नगर उटारी की वर्तमान 70 किलोमीटर की दूरी घटकर 35 किलोमीटर हो जाएगी।

पुल के निर्माण से वाड्रफनगर और रामचंद्रपुर तहसील के गांव सीधे झारखंड से जुड़ जाएंगे। इससे न केवल व्यापारिक-व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि झारखंड और छत्तीसगढ़ के बीच आवागमन भी सुगम होगा। लोक निर्माण विभाग द्वारा रामचंद्रपुर विकासखंड के धौली और झारखंड के बालचौरा के बीच इस पुल का निर्माण किया जा रहा है। 312 मीटर लंबाई और 8.4 मीटर चौड़ाई वाले इस पुल का 50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

अभी तक 12 पियर और दो अबटमेंट में से पांच पियर और एक अबटमेंट का काम पूर्ण हो गया है। शेष कार्य तेजी से पूर्णतः की ओर है, इसे जून 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

पीएम जनमन योजना से पहाड़ी अंचलों में बिरहोर बसाहटों तक पहुंचने लगी हैं पक्की सड़क

श्रीकंचनपथ न्यूज

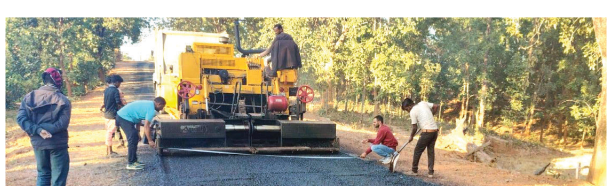

रायपुर। पहाड़ी अंचलों में बसे विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर परिवारों के उनकी सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए संचालित पीएम जनमन योजना उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आ रही है। अब तक समाज की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पाए इन बिरहोर बसाहटों तक अब पक्की सड़क पहुंचने लगी है। ये सड़कें इन बिरहोर परिवारों के सर्वांगीण विकास की नई राहें खोलेंगी। यहां रहने वाले निवासियों को अब सुकून है कि बारिश के दिनों में कच्ची सड़कों से होने वाली समस्याओं से उन्हें निजात मिलेगी।

रायगढ़ जिले के आदिवासी बहुल धरमजयगढ़ ब्लॉक के बसंतपुर के बिरहोर श्री गोविन्द और रामविलास ने बताया कि अब गांव में पक्की सड़क बन जाने से आवागमन में सुविधा मिल रही है। पहले पहाड़ी एरिया एवं कच्ची सड़कों के कारण गांववासियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था। खासकर बारिश के दिनों में जब किसी को स्वास्थ्य संबंधी समस्या होती थी, तो कच्ची सड़कों के चलते एम्बुलेंस भी गांव तक नहीं पहुँच पाती थी। इसके अलावा बच्चों को स्कूल जाने में भी बड़ी कठिनाई होती थी, क्योंकि रास्ते की स्थिति खराब थी। अब सड़क के निर्माण से इन सभी समस्याओं का हल निकला है और लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत मिल रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को यहां गांव में पक्की सड़क निर्माण कराने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत ये सड़कें बनवायी जा रही है।

शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर होगी कड़ी कार्यवाहीः मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मंत्रालय महानदी भवन में महिला बाल विकास विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने पोषण ट्रैकर में शत प्रतिशत एंट्री नहीं करने वाले अधिकारियों के वेतन से अंतर की राशि का भुगतान करने के भी निर्देश दिए। श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों को आंगनबाड़ी केंद्रों का सतत आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने हितग्राहियों को दिए जा रहे पोषण-आहार एवं अन्य सुविधाओं की नियमित जांच कर उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों ने पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए विभागीय कार्यक्रमों और योजनाओं की जानकारी दी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने एकीकृत बाल विकास सेवाओं को धरातल में कारगर ढ़ंग से क्रियान्वित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की अन्य कल्याणकारी योजनाओं से भी क्षेत्र की महिलाओं एवं बच्चों को योजनाबद्ध तरीके से लाभ पहुंचाया जाना सुनिश्चित करें। इस दिशा में सेवाओं को परिणामदायी बनाने हेतु जनजागरूकता लाने सहित सेवाओं की गुणवत्ता एवं सेवाओं के विस्तार के लिए प्रभावी पहल किया जाए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिला बाल विकास विभाग की महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना, रेडी-टू-ईट, नोनी सुरक्षा योजना, शुचिता योजना, बाल सन्दर्भ, नियद नेल्ला नार और प्रधानमंत्री जनमन योजना का लाभ सभी हितग्राहियों को मिले।

उन्होंने महतारी वंदन योजना की सभी पात्र हितग्राहियों के बैंक खाते को आधार कार्ड से लिंक कराने के निर्देश दिए। ऐसे हितग्राही जिनकी मृत्यु हो गई हो उन्हें चिन्हांकित कर उनका आवेदन निरस्त करें।उन्होंने गर्भवती, शिशुवती माताओं, बच्चों और किशोरी बालिकाओं का नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और वजन लेने कहा। वहीं स्कूल पूर्व प्रारंभिक शिक्षा, पूरक पोषण आहार तथा पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा को परिणाममूलक बनाने के लिए संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किये जाने के निर्देश दिए। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में सही लाभार्थी को लाभ मिले, यह सुनिश्चित करें। आवेदन प्राप्त कर अधिकारी उसका सत्यापन करें ताकि वास्तविक व्यक्ति को लाभ मिले।

महिला एवं बाल विकास मंत्री राजवाड़े ने पोषण ट्रैकर पर शत प्रतिशत एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी आंगनबाड़ियों को समय पर खोलें और बंद करे। सभी सुपरवाइजर नियमित रूप से आंगनबाड़ी का औचक निरीक्षण करें। सभी आंगनबाड़ियों में पोषण वाटिका बनाकर हरी सब्जियां तथा फलदार वृक्ष लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजनांतर्गत निर्धन जरूरतमन्द महिलाओं को लाभान्वित कर योजना के उद्देश्य की सार्थकता साबित करने कहा।

गुलाब की खेती से महक रहा है एबी अब्राहम का जीवन

आस-पास के शहर अंबिकापुर, अनूपपुर व बिलासपुर में किया जा रहा गुलाबों की सप्लाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। आज के समय में पारंपरिक खेती की तुलना में बागवानी या फूलों की खेती किसानों के लिए अधिक मुनाफा देने वाली खेती साबित हो रही है। गुलाब की खेती की तरफकिसानों का रुझान बढ़ रहा है, क्योंकि गुलाब की मांग पूरे वर्ष बनी रहती है और त्यौहारों, शादी समारोह व विभिन्न आयोजनों के समय इसकी मांग काफी बढ़ जाती है। छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले के विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत लालपुर में रहने वाले एबी अब्राहम ने गुलाब की खेती करके एक मिसाल कायम की है और दूसरे किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं।

उनकी सफलता की कहानी यह दर्शाती है कि कैसे पारंपरिक खेती से हटकर नए क्षेत्रों में प्रयास करने से आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। आस-पास के इलाके में डच रोज़ की खेती शुरू करने वाले किसानों को भी अच्छा मुनाफा हो रहा है। यह दर्शाता है कि फूलों की खेती एक लाभदायक व्यवसाय हो सकता है, जो किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकता है।

एबी अब्राहम बताते हैं कि वर्तमान समय में किसान को बेमौसम बारिश, तूफान, अतिवृष्टि, सूखा जैसी कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है साथ ही विभिन्न प्रकार के कीटों व बीमारियों से अपनी फसलों की रक्षा करनी पड़ती है। इतनी परेशानियों के बाद भी किसान को अपेक्षाकृत अधिक लाभ नहीं मिल पाता है। उनके द्वारा पूर्व में भी अपनी जमीन पर धान की फसल लगाया जाता था, जिससे उन्हें अधिक आमदनी नहीं होती थी। एबी अब्राहम ने परम्परागत कृषि से अलग आधुनिक खेती कर अपनी आय में वृद्धि करने की सोची। इसी दौरान लाभार्थी को नेशनल हार्टिकल्चर बोर्ड द्वारा डच रोज़ की खेती की जानकारी मिली। डच रोज़ कल्टीवेशन से लंबे समय तके होने वाले लाभ की सोच से उन्होंने इसका खेती करने का निश्चय किया और अपने जमीन पर पाली हॉउस तैयार कर गुलाब की खेती प्रारंभ की। उद्यानिकी विभाग द्वारा उनके हौसले को बढ़ाते हुए समय पर दस्तावेजों की पूर्ति कराई गई और समय समय पर विभाग द्वारा एबी अब्राहम को आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है। एबी अब्राहम द्वारा फरवरी 2024 में लगभग अपने 1 एकड़ जमीन पर पॉली हाऊस का निर्माण कराकर डच रोज़ की खेती प्रारंभ की है। जहां उन्होंने इसकी 40,000 पौधे का प्लांटेशन किया। पॉली हाऊस के अंदर डच रोज़ की खेती करने से पौधों को सीधे सूर्य की रौशनी, बारिश, आंधी से सुरक्षा मिलती है। सूक्ष्म सिंचाई और टपक विधि से कम पानी में गुलाब की खेती में सफलता प्राप्त हो रही है। एबी अब्राहम द्वारा किए गए गुलाब की खेती को देखने के लिए दूर-दूर से लोग भी आते हैं।

एबी अब्राहम की कहानी एक प्रेरणादायक उदाहरण है, कि कैसे एक किसान ने अपनी मेहनत और सोच के बल पर अपने आय में वृद्धि की और अपने जीवन को बेहतर बनाया। गुलाब के उत्पादन के शुरुआत से ही बाजार में इसकी मांग आने से एबी अब्राहम का उत्साह बढ़ा हुआ है। वे कहते हैं कि विभागीय मदद से उन्होंने डच रोज की खेती करने का बड़ा फैसला लिया है, जिसका अब उन्हें लाभ मिल रहा है। वर्तमान में उनके द्वारा आस-पास के इलाके जैसे बिलासपुर, अम्बिकापुर में फूलों का विक्रय किया जा रहा है। साथ ही उनके द्वारा इवेंट ऑर्गेनाइजर, डेकोरेशन शॉप्स वालों से भी संपर्क किया जा रहा है, जिससे आगे चलकर बड़े पैमानों पर गुलाब का विक्रय किया जा सके। आने वाले त्यौहारों व शादी सीजन में बाजारों में फूलों की मांग बढ़ेगी, जिससे उनके आय में और अधिक वृद्धि होगी। यह एक अच्छा उदाहरण है कि कैसे एक किसान अपनी मेहनत और सोच के बल पर अपने जीवन को बेहतर बना सकता है और दूसरों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन सकता है।

दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना दिव्यांग वर्ग के आत्मनिर्भरता और सम्मान की ओर कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। राज्य सरकार द्वारा संचालित दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना समाज के दिव्यांग वर्ग को नई उम्मीदें और सम्मान प्रदान करने की एक सराहनीय पहल है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस योजना के तहत महासमुंद जिले में 06 जनवरी को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में तीन लाभार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर वर्ग को साथ लेकर विकास की दिशा में कार्यरत है। यह योजना दिव्यांगजनों को न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि समाज में समानता और सम्मान का संदेश भी देती है। उन्होंने कहा कि यह योजना दिव्यांगजनों के जीवन को आत्मनिर्भर और स्थिर बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। श्री साय ने कार्यक्रम में ग्राम जोबा की गणेश्वरी साहू को 50 हजार रुपये, महासमुंद के वार्ड क्रमांक 2 के राजा बाबू देवांगन को 1 लाख रुपये, और ग्राम भोरिंग के उमेश कुमार कुशवाह को 50 हजार रुपये के प्रोत्साहन चेक सौंपे गए। इस अवसर पर लाभार्थियों ने अपनी खुशी और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहायता उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी।

राजा बाबू देवांगन ने कहा, यह मदद मेरे परिवार और भविष्य को सुदृढ़ करने में सहायक होगी। वहीं, गणेश्वरी साहू ने इसे अपने जीवन की नई शुरुआत बताते हुए सरकार की इस पहल की प्रशंसा की।

स्वरोजगार से सक्षम व स्वावलंबी बने ग्रामीण महिलाएं - डॉ. एकता लंगेह

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद । ग्राम खरोरा में समाजसेवी डॉ. एकता लंगेह जी के मार्गदर्शन में जागरूकता कार्यक्रम व हुनर सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। जिसमें ग्राम खरोरा की महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ. एकता ने ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से सक्षम व स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी क्षमता को पहचानने और इसे विकसित करने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिलाई आजीविका का एक बहुत छोटा माध्यम है, लेकिन इससे हम स्थायी स्वरोजगार की तरफ बढ़ सकते हैं। अगर महिलाएं एकजुट और समूह के माध्यम से काम करें तो बड़े परिणाम आएंगे। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक कदम है। साथ ही आस्था वुमैन संस्था को महिलाओं को प्रशिक्षित करने हेतु सिलाई मशीन भेंट किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती सुनीता चंद्राकर ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ पाती। इस दिशा में संस्था के माध्यम से जागरूक कर महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने हेतु भरपूर प्रयास करेंगी। तारिणी चंद्राकर द्वारा शासन की विभिन्न रोजगार मूलक योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अनेक तरह की योजनाएं संचालित की जा रही है जिसका लाभ उठाएं।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

शहर के आउटर मार्गों और हाइवे में दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने पुलिस करेगी सख्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस सड़क सुरक्षा माह 2025 के तहत वाहन चालकों-नागरिकों को यातायात नियमों का पालन कर वाहन चलाने के लिए प्रेरित करने विभिन्न माध्यमों से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। चौक चौराहों पर यातायात नियमों का फ्लैक्स, बैनर लगाकर तथा पांपलेट वितरण कर नियमों का पालन करने का संदेश दे रही है। हेलमेट रैली निकालकर दोपहिया चालकों को हेलमेट लगाने का अपील किया गया। जिला रायपुर में वाहनों के बढ़ते संख्या व अच्छी सड़कों पर वाहनों की अनियंत्रित रफ्तार के कारण सड़क दुर्घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है। वर्ष 2023 में जहॉ 1961 सड़क दुर्घटनाओं में 507 लोगों की मौत हुई थी वहीं साल 2024 में 2079 सड़क हादसों में 594 लोगों की मौत हुई है जिसमें दोपहिया चालक एवं सवार सर्वाधिक 424 लोगों की मौत हुई है। दुर्घटनाओं में दोपहिया चालकों की मौत का यह आंकड़ा काफी डरावना है। दुर्घटनाओं के विश्लेषण में यह तथ्य सामने आया है कि सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण अधिक लोगों की मौत हुआ है। दोपहिया चालक हेलमेट धारण किये होते तो निश्चित ही 40-50 प्रतिशत मौतें कम होती। कई बार जागरूकता अभियान चलाए जाने व कार्यवाही करने के उपरांत भी दोपहिया चालक हाइवे में हेलमेट लगाकर चलने की आदत नही बना पाए है। सड़क पर निकलते है तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि हमें अनिवार्य रूप से यातायात नियमों का पालन कर वाहन चलाना है। दोपहिया में हेलमेट, चारपहिया में सीट बेल्ट लगाना है, नशे की हालत में व तेज रफ्तार वाहन नही चलाना है तभी दुर्घटनाओं में कमीं लाया जा सकता है।

प्रत्येक व्यक्ति की जीवन महत्वपूर्ण है जिसे हम सबको बचाना है। सड़क हादसों में मौतों को कम करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान के तहत पुलिस दोपहिया चालकों को हाइवे में अनिवार्य रूप से हेलमेट धारण करने के लिए प्रेरित करेगी, शहर के आउटर क्षेत्र के 05 जगहों को चिन्हांकित किया गया है जहॉ समझाइस दिया जाएगा एवं कार्यवाही भी की जाएगी।

कलेक्टर ने तेज आवाज बाइक दौड़ा रहे युवक को रोका, 5 हजार का जुर्माना

लोगों को होने वाली परेशानी पर ट्रैफिक पुलिस को कार्रवाई के दिए निर्देश

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह नगर निगम मुख्यालय के सामने तेज आवाज बाइक दौड़ा रहे युवक को रोका। इस दौरान बाइकर्स पर 5 हजार रूपए का चालान किया गया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह नगर निगम मुख्यालय में पहुंचे हुए थे, वहां से अपनी शासकीय वाहन से निकलकर खो-खो पारा की तरफ जा रहे थे, तभी नगर निगम मुख्यालय के सामने से तेज आवाज में बाइक दौड़ा रहे गुढ़ियारी निवासी अमन यादव को रोका और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालक अमन के खिलाफ 5 हजार रुपए का जुर्माना किया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने निर्देश दिए है कि शहर में दूसरों के जान को जोखिम डालकर वाहन चलाने वाले और तेज आवाज वाहन दौड़ाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए है।

खास खबर

दुर्ग के कर्नाटका बैंक के 111 खातों में पहुंची लाखों की रकम, खाताधारकों ने दर्ज कराई शिकायत

दुर्ग। मोहन नगर थाने में एक हैरान कर देने वाला मामला दर्ज हुआ है। स्टेशन रोड स्थित कर्नाटका बैंक के 111 खातों में अचानक लाखों की रकम क्रेडिट हो गई। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने इस मामले में मोहन नगर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग रेलवे स्टेशन रोड पर स्थित कर्नाटका बैंक के 111 खाता धारकों के अकाउंट में 86 लाख 33 हजार, 247 रुपए जमा हुए। यह रकम अलग-अलग राज्यों में हुए साइबर ठगी द्वारा अर्जित गई रकम बताई जा रही है। 86 लाख 33 हजार, 247 रुपए पाए गए हैं। उक्त 111 बैंक खातों में अवैध रुप से लाभ अर्जित करने के लिए खातों का उपयोग किया गया है। इसकी जानकारी पुलिस को गृह मंत्रालय के पोर्टल से मिली। पुलिस शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

इन खातों को लेकर अन्य राज्यों में ऑन लाइन शिकायत भी दर्ज की गई है। इसे लेकर साइबर क्राइम की टीम खातों के लेने देन को लेकर जांच कर रही है। फ्लिहाल पुलिस ने किसी भी खाता धारक का नामजद कार्रवाई नहीं किया है। लेकिन आने वाले समय में पुलिस खाता धारकों के आधार कार्ड समेत उनका डिटेल मंगाकर पूछताछ करेगी।

गौ वंशों से लदा ट्रक के साथ ड्राइवर, हेल्पर सहित एक आरोपी हिरासत में

रायपुर। सिमगा पुलिस ने गौ रक्षकों की मदद से बीती देर रात गौ वंशों से लदे ट्रक के साथ ड्राइवर के अलावा दो हेल्परों को हिरासत में लिया है। सिमगा पुलिस ने बुधवार को बताया

कि बीती देर रात तिरपाल से ढंका एक ट्रक जिसके ऊपर बोरियां रखी हुई थी , जो गांवों को जोड़ने वाली सड़कों के जरिए बलौदाबाजार से सिमगा की ओर जा रहा था । शक होने पर गौ रक्षकों ने उस ट्रक का ढाई किलोमीटर तक पीछा किया। ट्रक रुकवा कर जब उसकी जांच की गई तो उसमें 32 गौ वंश पाए गए, जिन्हें ठूस-ठूस कर रखा गया था । तत्काल इसकी सूचना सिमगा पुलिस को दी गई । सिमगा पुलिस ने मामले में ट्रक ड्राइवर सोनू पाल, हेल्पर इरशाद अंसारी और अनिल रेड्डी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

निगम जोन 9 ने दीपक आटा चक्की को किया सीलबंद

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 9 के जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय द्वारा जोन नगर निवेश विभाग की ओर से प्राप्त जनशिकायत जोन क्षेत्र में सही मिलने पर दुबे कालोनी मोवा मुख्य मार्ग पर दीपक आटा चक्की को कई बार नोटिस दी गई, किंतु इसके उपरांत भी संबंधित व्यवसायी ने कार्य बंद नहीं किया। जबकि उसके पीछे के घर में अत्यधिक वाइब्रेशन और दीवाल में क्रेक की समस्या आ रही थी। इस पर संबंधित दीपक आटा चक्की को ताला लगाकर सीलबंद करने की कार्यवाही की एवं प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया।

स्वयं पर पेट्रोल डालकर युवक ने लगाई आग, मौत

कांकेर (ए.)। भानुप्रतापपुर के ग्राम बोगर में नशे की हालत में युवक चंद्रकुमार नेताम उम्र 35 वर्ष ने स्वयं पर पेट्रोल डालकर आग लगा लेने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। एक दिल दहला देने वाली इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं ग्रामीणों की सूचना पर भानुप्रतापपुर के एसडीओपी प्रशांत पैकरा और थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख के साथ पुलिस घटना स्थल पहुंचकर मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक चंद्रकुमार नेताम कोरर थाना क्षेत्र के बैजनपूरी का निवासी था। बताया जा रहा है कि वह पिछले दो महीनों से अपने भाई के पास बोगर में रह रहा था। और पिछले पांच दिनों से घर से लापता हो गया था। वहीं उसने अपने भाई के घर के सामने आत्महत्या कर ली। हालांकि आत्महत्या का कारण पता नहीं चल

सका है। मृतक विवाहित था और उसके दो बच्चे भी हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में घायल 5 वर्षीय बच्ची की हुई मौत

जगदलपुर (ए.)। बस्तर थान क्षेत्र अंर्तगत ग्राम परचनपाल कन्या आश्रम के पास 4 जनवरी की दोपहर को एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रही 5 वर्षीय बच्ची को टक्कर मार दी थी। इस घटना के बाद घायल बच्ची को उपचार के लिए मेकॉज लाया गया, जहां उपचार के दौरान आज बुधवार को बच्ची की मौत हो गई है। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार परचनपाल निवासी हेमसिंग ठाकुर की 5 वर्षीय पुत्री फालवी उर्फ धानी 4 जनवरी को परचनपाल के पास सड़क किनारे खड़ी थी कि अचानक से अपने रिश्तेदार को देखकर सड़क पार करने के लिए दौड़ गई। बच्ची को सड़क पार करता देख बस्तर की ओर से जगदलपुर जा रहे ट्रक चालक ने वाहन रोकने का प्रयास किय, लेकिन बच्ची ट्रक की चपेट में आ गई। घटना के बाद आस-पास ले लोगों ने घायल बच्ची को उपचार के लिए मेकॉज में भर्ती किया गया, जहां उपचार के दौरान 8 जनवरी की सुबह बच्ची की मौत हो गई।

दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जशपुर (ए.)। तपकरा थाना क्षेत्र में दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने 25 दिसंबर 2024 जनवरी को युवती के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था और अपने मोबाइल में घटना का वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी थी। थाना प्रभारी खोमराज ठाकुर ने बताया कि पीड़िता ने 5 जनवरी को शिकायत दर्ज कराई थी कि 25 दिसंबर को आरोपी रक्षित खाखा ने उसके साथ दुष्कर्म किया है और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता के मुताबिक 25 दिसंबर 2024 को जब वह घर के बाहर गेट पर खड़ी थी तभी आरोपी रक्षित खाखा स्कूटी से आया और उसे जान से मारने की धमकी देते हुए गाड़ी में बैठा कर अपने घर ले गया। जहां उसे बंधक बनाकर रखा। आरोपी ने घटना की जानकारी किसी को देने पर वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए उसे छोड़ दिया। वीडियो वायरल होने के भय से पीड़िता ने किसी को मामले की जानकारी नहीं दी। 5 जनवरी को पीड़िता की सहेली ने उसे सूचना दी कि आरोपी रक्षित खाखा ने वीडियो वायरल कर दिया है। जिसके बाद पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले में कार्रवाई करते हुए तपकरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफबीएनएस की धारा 64 (1),142 और आईटी एक्ट की धारा 67 पंजिबद्ध करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, 3 घायल

जगदलपुर (ए.)। बस्तर जिले के नगरनार थाना क्षेत्र अंर्तगत कुरंदी मार्ग में आज बुधवार को एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई, इस दुर्घटना में कार में सवार तीन युवक महावीर लुनिया, विजय एवं सचिन पारख घायल हो गए, जिनका उपचार महारानी अस्पताल में जारी है। जगदलपुर के 3 युवक अपनी कार से कुरंदी घूमने के लिए गए हुए थे, वहां से वापस लौटने के दौरान कार की रफ्तार तेज होने के कारण कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। घटना के बाद आस-पास के लोगों ने घायलों को कार से बाहर निकालकर 112 की मदद से महारानी अस्पताल भिजवाया, जहां उपचार जारी है। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

निगम ने जोन-9 के चार स्थानों पर अभियान चलाकर हटाया अतिक्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 10 के तहत क्षेत्र में कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड क्रमांक 54 के तहत लगभग डेढ एकड़ क्षेत्र में अविवा ग्रीन सिटी के पीछे डूंडा में अवैध मुरम रोड बनाकर की गई अवैध प्लाटिंग पर थ्रीडी से अवैध मुरम रोड काटकर एवं आवागमन कठिन बनाकर रोक लगायी गयी । इसी प्रकार जोन 10 के वार्ड 54 के तहत कमल विहार गेट के पास मुख्य मार्ग डूंडा में लगभग डेढ एकड निजी भूमि क्षेत्र में अवैध मुरम रोड बनाकर की गई अवैध प्लाटिंग पर थ्रीडी से अवैध मुरम रोड तत्काल काटकर और आवागमन कठिन बनाकर रोक लगायी गयी । उक्त अभियान नगर निगम जोन 10 के जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देश पर जोन नगर निवेश उपअभियंता रविप्रभात साहू की उपस्थिति में चलाया गया।

इसी प्रकार आज नगर निगम जोन 9 ने 4 भिन्न स्थानों पर अतिक्रमणों को हटाने की अभियान चलाकर कार्यवाही जनहित में जनसुविधा हेतु सुगम आवागमन देने की । जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के निर्देश पर जोन 9 नगर निवेश विभाग की टीम ने मोवा ओव्हर ब्रिज के नीचे आज 3 अतिक्रमण हटाये। लगभग 3 ङ्क 4 दिन पहले जोन की टीम ने वहां लगभग 42 अतिक्रमण हटाये

थे। अतिक्रमण हटाकर मोवा ओव्हर ब्रिज के नीचे के क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त किया गया। दुबे कालोनी मोवा मुख्य मार्ग में निगम जोन 9 नगर निवेश विभाग ने अवैध विज्ञापन बोर्ड ठेले टपरियां हटाने अभियान चलाकर कार्यवाही की। जोन 9 के तहत शंकरनगर मुख्य मार्ग, कांग्रेस भवन के समीप अवैध ठेले हटाने कार्यवाही की गई।

तेलीबांधा एक्सप्रेस वे ब्रिज के नीचे अतिक्रमण हटाने सहित मैक इन इंडिया चैक तेलीबांधा कृष्ण कुंज के समीप शासकीय नजूल भूमि पर लगभग 15 गुना 45 वर्गफीट क्षेत्र में अवैध कब्जा जमाकर फुटपाथ पर शेड बनाकर लगायी गयी अवैध कपडा दुकान हटाकर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया । रायपुर जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार राजधानी शहर में जनहित में जनसुविधा हेतु आमजनों को सुगम आवागमन देने अतिक्रमण हटाने अभियान आगे भी सतत जारी रहेगा।

शास्त्री बाजार एवरग्रीन चौक को किया अतिक्रमण मुक्त

नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 4 के नगर निवेश विभाग की टीम ने जोन 4 के तहत सिविल लाईन थाना के समीप और शास्त्री बाजार एवरग्रीन चौक के पास मुख्य मार्ग बाजार क्षेत्र में अभियान चलाकर जनहित में जनसुविधा हेतु नागरिको को सुगम आवागमन देने मार्ग को अतिक्रमणों से मुक्त किया। सिविल लाईन थाना के पास मार्ग में और शास्त्री बाजार के पास एवरग्रीन चौक के समीप मुख्य मार्ग में लगभग 25 से अधिक अवैध ठेले गुमटियां सडक मार्ग से हटाने कार्यवाही की गई। अभियान जोन 4 जोन कमिष्नर अरूण ध्रुव के निर्देश पर उपअभियंता नगर निवेश नवीन वर्मा की उपस्थिति में चलाया गया । रायपुर जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार राजधानी शहर निगम क्षेत्र के मार्गो को जनहित में जनसुविधा हेतु अतिक्रमण मुक्त करने सुगम यातायात देने अभियान नगर निगम द्वारा पुलिस प्रशासन यातायात विभाग के सहयोग से आगे सतत जारी रहेगा।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई : पेंगोलिन तस्करों पर कसा शिकंजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

तीन तस्कर पकड़ाए, 43 किलो स्केल्स बरामद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन विभाग ने एक बार फिर से वन्यजीव तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता हालिस की है। वनमंडल बस्तर, राज्यस्तरीय वन उड़नदस्ता रायपुर और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई में 43 किलो पेंगोलिन स्केल्स (साल खपरी का छाल) जब्त किए हैं। वन्य तस्करों की धरपकड़ का यह अभियान वन मंत्री केदार कश्यप और प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्रीनिवास राव के मार्गदर्शन में संचालित किया गया।

गुप्त सूचना के आधार पर किए गए छापों में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से पहला आरोपी, जेम्स मैथ्यू, जगदलपुर रेंज के ग्राम तेली मारेंगा का निवासी है, जिसके घर से 32 किलोग्राम पेंगोलिन स्केल्स बरामद किए गए। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी ने लॉकडाउन के दौरान बीजापुर के अंदरूनी इलाकों से इन स्केल्स को एकत्र किया था और खरीदार की तलाश में था। दूसरी कार्रवाई चित्रकोट रेंज के मारडूम-बारसूर मार्ग पर हुई, जहां चुन्नीलाल बघेल और राजकुमार कुशवाहा को 11 किलो पेंगोलिन स्केल्स के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। हालांकि, इनके दो साथी जंगल का सहारा लेकर भागने में कामयाब रहे। फरार आरोपियों की तलाश जारी है। तस्करी में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

उक्त कार्यवाही में उप वनमण्डलाधिकारी जगदलपुर देवलाल दुग्गा, उप वनमण्डलाधिकारी चित्रकोट योगेश कुमार रात्रे, वन परिक्षेत्र अधिकारी चित्रकोट प्रकाश ठाकुर, वन परिक्षेत्र अधिकारी जगदलपुर देवेन्द्र वर्मा, परिक्षेत्र अधिकारी कोलेंग बुधराम साहू, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी चित्रकोट बुधरू राम कश्यप, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी जगदलपुर (ग्रामीण) लल्लन तिवारी, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी जगदलपुर (शहर) श्रीधर नाथ स्नेही, परिसर रक्षक चौतन सिंह कश्यप, शारदा मण्डावी, शंकर सिंह बघेल, गोपाल नाग, राम सिंह बघेल, कैलाश नागेश, कविता ठाकुर, कुन्ती कश्यप, जया नेताम, सोनमती, चंद्रीका राणा, दीपा पटेल, उमर देव कोर्राम, कमल ठाकुर आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विवाहिता ने की खुदकुशी

भिलाई। भिलाई के छावनी थाना अंतर्गत संतोषीपारा मिलन चौक कैंप 2 में एक शादीशुदा युवती ने अपने मायके में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसने ऐसा क्यों किया इसका पता नहीं चल पाया है। छावनी पुलिस मामले की जांच कर रही है। छावनी थाना प्रभारी चेतन चंद्राकर ने बताया कि उन्हें सुपेला अस्पताल से सूचना मिली थी कि अनुष्का रजक पति हेमंत रजक ने अपने मायके में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि बुधवार 8 जनवरी को दोपहर 12-1 बजे के बीच जैसे ही उसने फांसी लगाई परिजनों को पता चला। परिजनों ने उसे फंदे से नीचे उतारा और बेहोशी का हालत में सुपेला अस्पताल पहुंचाया। यहां कुछ देर जांच और इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

- मुख्यमंत्री ने धमतरी में स्वामित्व कार्डो के वितरण का किया शुभारंभ
- 268 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की दी सौगात

छत्तीसगढ़ में नागरिकों को सशक्त करने डिजिटल गवर्नेंस मॉडल: मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमने छत्तीसगढ़ में नागरिक सुविधाओं को सुगम एवं सशक्त करने के लिए डिजिटल गवर्नेंस के मॉडल को अपनाया है। सभी विभागों में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों का उपयोग किया जा रहा है जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुगमतापूर्वक योजनाओं की पहुंच आसानी से हो सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज धमतरी जिले में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह में उक्त बात कही। कार्यक्रम में उन्होंने 268 करोड़ रूपए के विकास कार्यो का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्री का वितरण भी किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि स्वामित्व कार्ड के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर निवास करने वाले ग्रामीणों की बड़ी समस्या आज दूर हो रही है। इन लोगों को आबादी भूमि पर स्वामित्व के पक्के दस्तावेज मिल रहे है। दस्तावेज नहीं होने के कारण अक्सर विवाद की स्थिति में मामले न्यायालयों में सालों-साल लंबित रहते थे। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समस्या को समझा और उसे दूर करने के लिए तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत को महाशक्ति बनना है तो भारत को तकनीक दृष्टि से सक्षम होना ही पड़ेगा। छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार ने हर स्तर पर डिजिटल गवर्नेंस को अपनाया है। रजिस्ट्री में लोगों को आसानी हो, यह पारदर्शी प्रक्रिया से हो, इसके लिए हमने सुगम एप तैयार किया है। दस्तावेजों के डिजिटलीकरण के लिए भी हम काम कर रहे हैं। स्वामित्व योजना के लिए जो ड्रोन सर्वे हमने कराये, इससे आबादी भूमि का अद्यतन नक्शा हमारे पास तैयार हो गया है, इसके कई लाभ हमें मिलेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ग्राम पंचायत की विकास योजना अर्थात जीपीडीपी बनाने में इससे काफी मदद मिलेगी। इससे शासकीय और सार्वजनिक संपत्ति की देखरेख करने में काफी मदद मिलेगी और अतिक्रमण की संभावना समाप्त होंगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार यह सोचा कि कमार बसाहटों तक भी सड़क पहुंचनी चाहिए, इनके लिए भी साफपानी होना चाहिए, बिजली होना चाहिए, बच्चों के लिए स्कूल होना चाहिए। जब ऐसी संवेदनशीलता मन में होती है तभी पीएमजनमन जैसी योजना अस्तित्व में आती है। एक साल के भीतर प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से कमार जनजाति की बसाहटों में विकास का उजाला फैला है। लगभग 47 करोड़ रुपए की लागत से 36 सड़कें हमने बनाई हैं। उन्होंने कहा कि पीएम आवास, सौभाग्य योजना, जलजीवन मिशन, पीएम जनमन योजना सारी योजनाएं नागरिकों के जीवन को आसान करती हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए विकास की राह खोलती हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि धमतरी जिले को चित्रोत्पला महानदी का विशेष वरदान प्राप्त है। खेती-किसानी के क्षेत्र में धमतरी जिला हमेशा से अग्रणी रहा है। किसान भाई भरपूर मेहनत कर अच्छी फसल ले रहे हैं। धान के अलावा दलहन-तिलहन की फसल भी ले रहे हैं। इन सबके लिए भरपूर पानी चाहिए, इसके लिए जल संरक्षण बहुत जरूरी है। धमतरी जिले में जल संरक्षण को लेकर व्यापक कार्य हुए हैं। जल की एक-एक बूंद को बचाने की पहल की गई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों से किसानों को भरपूर लाभ मिल रहा है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी के माध्यम से छत्तीसगढ़ में सबसे अच्छा मूल्य किसानों को मिल रहा है। प्रदेश में अब तक 20 लाख से अधिक किसानों से हमने लगभग 106 लाख मीट्रिक टन धान खरीद लिया है। अब तक 23 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि का भुगतान हम किसान भाइयों को कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले के एक लाख 7 हजार किसानों ने 4 लाख 82 हजार मीट्रिक टन धान बेचा है। अब तक इनके खातों में 1 हजार 111 करोड़ रुपए दिये जा चुके हैं।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन में सभी वर्गों को विभिन्न योजनाओं का लाभ बराबर मिल रहा है। श्री साव ने कहा कि शहर से लेकर दूरस्थ ग्रामों तक विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्वामित्व योजना इत्यादि का लाभ लोग उठा रहे हैं। प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने स्वामित्व योजना अंतर्गत जिले में अधिकार अभिलेखों के वितरण पर संबंधित हितग्राहियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विशेष पिछड़ी जनजाति कमार हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदेश सरकार के एक साल सुशासन में योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

विधायक कुरूद अजय चन्द्राकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी की गारंटी के अनुरूप मुख्यमंत्री विष्णु देव साय योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले में उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। आने वाले दिनों में इन उद्योगों के क्रियाशील होने और इनसे रोजगार सृजन की बात कही।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार द्वारा एक साल के सुशासन में अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है। कार्यक्रम को सांसद रूपकुमारी चौधरी, भोजराज नाग ने भी संबोधित किया और प्रदेश सरकार के एक वर्ष होने पर बधाई दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हर व्यक्ति तक सुशासन पहुंचाने हमारी सरकार है प्रतिबद्ध: मुख्यमंत्री

बालोद में सर्वसुविधायुक्त 400 सीटर ऑडिटोरियम और नालंदा परिसर का होगा निर्माण, मुख्यमंत्री ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमने अटल जी की स्मृति में वर्ष 2025 को अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। इस वर्ष गुणवत्तायुक्त विकास कार्य पर पूरा ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास और सबका विश्वास मूलमंत्र के साथ हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि अपने क्षेत्र के विकास और निर्माण कार्यों की सतत निगरानी करें और विकसित छत्तीसगढ़ राज्य बनाने में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बालोद जिले के ग्राम जुगेरा में आयोजित 141 करोड़ रूपए के विकास कार्यों के लोर्कापण-शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई संसाधन और सड़कों के रखरखाव पर फोकस करते हुए अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुशासन पहुंचाने प्रतिबद्ध है। भारतीय प्राचीन ग्रंथों में जिसे रामराज्य कहा गया है, वही तो सुशासन है। सुशासन का सूर्योदय हो गया है, यह सब आप लोगों के स्नेह और अपार जनसमर्थन से यह संभव हो सका है। हमें विश्वास है कि आप सबका भरोसा अटूट रहेगा। सभी मिलजुलकर विकासशील छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ बनाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सपना है कि कोई भी भारतीय खुले आसमान के नीचे नहीं सोएगा। हर नागरिक का पक्का मकान होगा। पक्का छत वाले मकान निर्माण की योजना प्रधानमंत्री आवास के तहत बालोद जिले में 31 हजार से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। इनमें आधे से अधिक आवास बन गए हैं। शेष का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने नए आवास में प्रवेशित हितग्राहियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री साय ने बालोद जिले के ग्राम जुगेरा में आयोजित कार्यक्रम में 141 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने इस अवसर पर बालोद में 400 सीटर ऑडिटोरियम के निर्माण और जुगेरा स्थित बंजारी माता मंदिर में दर्शनार्थियों की सुविधा में विस्तार के लिए डोम सेट निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही बालोद में नालंदा परिसर का निर्माण होगा, इसकी स्वीकृति भी मिल चुकी हैं। उन्होंने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट नर्सिंग अफ्सर के रूप में सेवा दे रही बालोद के ग्राम जमरूवा निवासी वीणा साहू की सराहना करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बालोद जिले में बड़ी संख्या में तेंदूपत्ता हितग्राही हैं, हमने उनके हित में तेंदूपत्ता खरीदी की दर में प्रति मानक बोरा 15 सौ रूपए की अतिरिक्त वृद्धि करते हुए 5500 रूपए प्रति मानक दर से खरीदी सुनिश्चित की। हमने डौंडीलोहारा विकासखंड के मटियामोती जलाशय के नहरों का लाइनिंग मरम्मत और पुर्ननिर्माण के लिए भूमिपूजन किया है। करीब 30 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाली इस नहर से किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषक उन्नति योजना से बालोद जिले के करीब डेढ़ लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। उनके खाते में 2023-24 में बेचे गए खरीफ सीजन के धान की राशि 686 करोड़ रूपये अंतरित की गई है, इससे किसानों में समृद्धि आयी है। किसान खुशहाल हुए हैं। हमारा मानना है कि जब हमारे अन्नदाता खुशहाल होंगे तो सभी का जीवन सुखमय रहेगा। बालोद जिले में डेढ़ लाख से अधिक किसानों के खाते में 223 करोड़ रूपये बकाया बोनस की राशि भी हमने गत वर्ष दिया है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मोदी की गारंटी वाली विष्णु देव साय की सरकार में विकास कार्यों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं होगी। कार्यक्रम को सांसद भोजराज नाग ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज ने की सीएम साय से मुलाकात, आत्मीय स्वागत कर मुख्यमंत्री ने लिया आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से बुधवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में परमपूज्य सद्गुरु ऋ तेश्वर जी महाराज ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने शाल-श्रीफल भेंटकर सद्गुरु जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने सद्गुरु जी से सामाजिक और आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं के लिए विख्यात है। सद्गुरु ऋतेश्वर के मार्गदर्शन में यह परंपरा और सुदृढ़ होगी। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से सद्गुरु जी के सामाजिक और आध्यात्मिक प्रयासों में हरसंभव सहयोग की बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि साधु-संतों, मनीषियों की कृपा और मार्गदर्शन से हमारी सरकार प्रदेश में सुशासन स्थापित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2025 : सीएम साय ने कहा-

उत्कृष्ट और मनमोहक प्रस्तुति से युवा छत्तीसगढ़ का नाम करें रोशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय युवा महोत्सव में शामिल होने जा रहे युवाओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के साथ ही छत्तीसगढ़ को भी विकसित राज्य बनाना है। उल्लेखनीय है कि स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिवस पर आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में उत्कृष्ट और मनमोहक प्रस्तुति से युवा छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन भारत को वर्ष 2047 से पूर्व विकसित बनाने की भारत सरकार की मुहिम में छत्तीसगढ़ के युवाओं ने अपना टैलेंट दिखाया है। राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए कुल 75 प्रतिभागियों का चयन छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिनिधित्व के लिए किया गया है। भारत मण्डपम नई दिल्ली में 11 एवं 12 जनवरी 2025 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष भारत को विकसित बनाने के विज़न को प्रस्तुत करने का अवसर राज्य के 75 युवाओं को उपलब्ध कराया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि युवा दिल्ली में अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें। आगामी 11 और 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा महोत्सव में ऐसा प्रदर्शन करें कि देश के अन्य राज्यो से आये युवाओं के जुबान पर छत्तीसगढ़िया सब ले बढ़िया हो। खेल मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि युवा भारत की शक्ति है। युवाओं को छत्तीसगढ़ में अपने प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के 75 युवा राष्ट्रीय युवा महोत्सव में शामिल होंगे।

गौरतलब है कि युवा महोत्सव के माध्यम से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य के 80 हजार से अधिक युवाओं को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया। रायपुर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 26 और 27 दिसम्बर 2024 को यूथ डॉयलाग सम्पन्न हुआ । भारत को विकसित बनाने के लिए भविष्य के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण, महिलाओं को सशक्त बनाना और सामाजिक संकेतक में सुधार, विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना, कृषि में उत्पादकता बढ़ाना, भारत को एक स्पोर्टिंग और फिट राष्ट्र बनाना, भारत को वैश्विक विनिर्माण पावर हाऊस बनाना, भारत को विश्व की स्टार्टअप राजधानी के रूप में विकसित करना, भारत को पूर्णत: टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाना, विकसित भारत के लिए तकनीकी, विकास भी विरासत भी की थीम पर माई भारत पोर्टल पर छत्तीसगढ़ के 3 लाख 26 हजार से अधिक पंजीकृत वालेंटियर्स एवं प्रदेश के विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए सर्व प्रथम आनलाइन क्वीज का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के 80 हजार से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया। आनलाईन क्वीज़ में क्वालीफाईड 6,103 युवाओं में से 635 युवाओं ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने संबंधी निर्धारित 10 थीम पर निबंध लेखन किया। निबंध लेखन अंतर्गत प्रत्येक विषय में अधिकतम 25 अभ्यर्थियों का चयन स्टेट चैम्पियनशिप के लिए किया जाना था। इसमें से 228 युवाओं का चयन स्टेट चैम्पियनशिप के लिए किया गया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम जी.ई. रोड रायपुर में स्टेट चैम्पियनशिप का आयोजन संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण द्वारा किया गया। इसके अंतर्गत युवा प्रतिभागियों ने पी.पी.टी. के माध्यम से भारत को विकसित बनाने हेतु अपना विज़न विषय विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ राज्य से 12 विषय विशेषज्ञों ने युवा प्रतिभागियों के द्वारा प्रस्तुत विज़न पी.पी.टी. का मूल्यांकन किया। स्टेट चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ के 45 युवाओं का चयन कर उन्हें नई दिल्ली भेजने हेतु Sending Off समारोह का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त विकासखण्ड स्तर से जिला स्तर और जिला स्तर के विजेता प्रतिभागियों के सांस्कृतिक प्रदर्शन का विशेषज्ञों के माध्यम से वीडियो अवलोकन कर राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए 30 प्रतिभागियों का चयन लोकगीत, लोकनृत्य, कविता, कहानी, चित्रकला, साइंस मेला एवं वक्तृत्व कला विधाओं से चयनित किया गया है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायकगण किरण देव,मोतीलाल साहू, इंद्र कुमार साव, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब, खेल विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता एवं संचालकतनुजा सलाम सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी और युवा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय से महाप्रबंधक रेलवे ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने सौजन्य मुलाकात कर नववर्ष की बधाई दी। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक रायपुर श्री दयानंद भी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950